बालाघाट
मंगलवार 17 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 55
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

जय शाह दूसरी बार आईसीसी के चेयरमैन बने

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्रशासक जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बने हैं। काउंसिल के बोर्ड और कमेटी की बैठकों में उन्हें निर्विरोध चुना गया। वाली में हुई बैठक में डायरेक्टर्स ने जय शाह को फिर चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव दिया था। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा। हम क्रिकेट के सबसे अहम और रोमांचक दौर में हैं। 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे लिए नए दर्शकों तक पहुंचने का बड़ा मौका है। हमारी जिम्मेदारी सिर्फ बड़े टूर्नामेंट का सफल आयोजन करना नहीं है। हमें क्रिकेट का भविष्य मजबूत बनाना है। इसके लिए खिलाड़ियों, फैंस, कमर्शियल पार्टनर्स और खेल से जुड़े सभी लोगों के हितों का ध्यान रखना होगा।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसे 'अकवान' नाम दिया जाएगा। चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने का खतरा है। मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों की आशंका को देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिन हुई बारिश के बाद सोमवार को सर्दी बढ़ गई। यूपी के 21 जिलों में कोहरा छाया हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ-बद्रीनाथ समेत चारों धाम में रविवार को बर्फबारी हुई।

बिलकिस बानो केस में 2 दोषियों को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिलकिस बानो केस में दोषी ठहराए गए दो लोगों की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी और जमानत भी दे दी। 28 अक्टूबर के आदेश में कोर्ट ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में रह चुके हैं। उनकी अपील में तथ्य और कानून से जुड़े ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर विचार जरूरी है। जमानत पाने वालों में बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोढिया शामिल हैं। जोशी गंभीर रूप से दिव्यांग हैं जबकि प्रदीप ने बॉम्बे हाईकोर्ट के मई 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते समय यह भी ध्यान में रखा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं।

कुछ ना कहना



इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार समेत तीनों आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से 48 सवाल पूछने की मांगी अनुमति

फॉर्म-6 किसने बदला, देशभर में एसआईआर का फैसला किसका?

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच टकराव अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इंडिया ब्लॉक ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों चुनाव आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से सवाल-जवाब करने की अनुमति मांगी है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 48 सवालों की सूची भी सौंपी है। इन सवालों के केंद्र में देशभर में रुकड़ करने का फैसला, फॉर्म-6 में बदलाव और मतदाता सूची के डिजिटल सिस्टम को केंद्रीय नियंत्रण में रखने जैसे मुद्दे हैं।

विपक्ष का आरोप है कि रुकड़ की प्रक्रिया में गंभीर खामियां रहीं और इनके जरिए बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। कांग्रेस ने इसे कथित वोट चोरी से जोड़ते हुए कहा है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में इन बुनियादी सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दिया है।



चार बड़े सवालों पर सबसे ज्यादा जोर

इंडिया ब्लॉक की ओर से सौंपे गए 48 सवालों में चार सवाल खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं। विपक्ष जानना चाहता है कि देशभर में एसआईआर कराने का निर्णय आखिर किस स्तर पर और किसकी सहमति से लिया गया? फॉर्म-6 में बदलाव करने का प्रस्ताव किसने तैयार किया और इसे लागू करने का फैसला किसने लिया? इसके अलावा ईआरओएनईटी और ईसीआईनेट को सेंट्रलाइज करने तथा मतदाता सूची को केंद्रीय नियंत्रण में रखने की व्यवस्था किसके निर्णय से लागू हुई? विपक्ष ने यह सवाल भी उठाया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कितने फैसलों पर बाकी दोनों चुनाव आयुक्तों ने असहमति जताई थी। गठबंधन का मानना है कि इन फैसलों की प्रक्रिया और उनमें शामिल अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट होना जरूरी है।

आईटी रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल

याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी है कि चुनाव आयोग के हलफनामे में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से जुड़े आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी रिकॉर्ड शामिल नहीं किए गए हैं। विपक्ष का कहना है कि ये रिकॉर्ड रुकड़ की प्रक्रिया और डिजिटल सिस्टम के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को स्पष्ट कर सकते हैं। ऐसे में इनका हलफनामे में शामिल नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया था नोटिस

एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्षी नेताओं ने पहले भी विरोध जताया था। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद अक्टूबर 2026 में शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अब इंडिया ब्लॉक की नई याचिका ने इस विवाद को एक नया मोड़ दे दिया है। विपक्ष चाहता है कि केवल लिखित हलफनामे के बजाय निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों से सीधे सवाल पूछे जाएं।

चुनाव आयोग ने आरोपों को किया खारिज

दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने अपने संयुक्त हलफनामे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर अकेले फैसले लेने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सेवा निवृत्त आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी की ओर से दाखिल जवाब में कहा गया है कि जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026 में एसआईआर से संबंधित सभी आदेश आपसी सहमति और विचार-विमर्श के बाद जारी किए गए थे। आयोग ने फॉर्म-6 में बदलाव करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के पास होता है।

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर, मौत

इनमें एक लश्कर कमांडर; 5 दिन पहले कुलगाम में जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

कुलगाम। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लाडू मार गिराया। इस हमले में 2 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी।

तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुठभेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

सीआरपीएफ पर 5 दिन पहले हुआ था हमला, 15 सेकेंड में 30 राउंड फायर हुए थे

11 नवंबर को नौगाम अखाराम में आतंकियों के हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए थे। इसके बाद से सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में बड़ा अभियान जारी है। आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं।

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं।

मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

जांच एजेंसी ने सितंबर में मामले में 12 आरोपियों के खिलाफ करीब 75 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

यूपी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच आज लखनऊ में बैठक, राहुल बोले

सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच मंगलवार को लखनऊ में औपचारिक बैठक होगी। इसमें दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। दोनों दलों की कमेटियां एक-एक सीट पर जीत की संभावनाओं के आधार पर चर्चा करेंगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर होगा। दोनों दलों की बातचीत पूरी होने के बाद सीटों को लेकर अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। वहीं समिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसिडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर दावा किया कि इन इलाकों में उसकी स्थिति मजबूत है। पिछले कुछ महीनों में उसके पक्ष में माहौल बदला है। कांग्रेस की इस मांग को लेकर सपा में असमंजस है। इसकी वजह 2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं। उस चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 2.33 प्रतिशत वोट मिले थे और पार्टी केवल 2 सीटें जीत सकी थी।

दिसंबर से चुनाव प्रचार की तैयारी के निर्देश

कांग्रेस ने नेताओं को दिसंबर से चुनाव प्रचार की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव मिलकर भी चुनाव प्रचार कर सकते हैं। दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बनने के बाद संयुक्त चुनाव प्रचार की तैयारियां शुरू हो जाएंगी।

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं।

दिल्ली में बनेगी देश की हाईटेक जेल!

अमेरिका जैसी सुरक्षा व्यवस्था से लैस होगा नया जेल परिसर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कैदियों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नरेला में हाई-सिक्योरिटी मॉडर्न जेल का निर्माण शुरू हो गया है। करीब 40 एकड़ जमीन पर बनने वाली इस जेल का डिजाइन अमेरिका के कोलोराडो स्थित ह्रङ्क फ्लोरेंस जेल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। ह्रङ्क फ्लोरेंस को दुनिया की सबसे सुरक्षित जेलों में गिना जाता है। यहां से कैदियों का भागना लगभग असंभव माना जाता है।

इस आधुनिक जेल की सबसे खास बात इसके सेल का डिजाइन होगा। कैदियों को आत्महत्या करने या किसी वस्तु का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने से रोकने के लिए सेल के अंदर कई सुविधाएं ठोस कंक्रीट से बनाई जाएंगी। इसके तहत बिस्तर, मेज, स्टूल, सिंक और शौचालय तक कंक्रीट के बनाए जाएंगे। इससे सेल के अंदर ऐसी छोटी वस्तुओं की मौजूदगी कम होगी, जिनका इस्तेमाल कैदी खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए कर सकते हैं। अमेरिका के कोलोराडो में स्थित ह्रङ्क फ्लोरेंस जेल अपनी बेहद सख्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए जानी जाती है। इसी मॉडल को ध्यान में रखकर नरेला की नई जेल का डिजाइन तैयार किया जा रहा है।

जेल के चारों ओर लगेगी 12 फीट ऊंची कंटीली बाड़

नरेला में करीब 40 एकड़ जमीन पर बनने वाली इस जेल पर लगभग 150 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका निर्माण दो चरणों (फेज) में पूरा किया जाएगा। जेल का डिजाइन अमेरिका के कोलोराडो स्थित ह्रङ्क फ्लोरेंस जेल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जिसे दुनिया की सबसे सुरक्षित जेलों में गिना जाता है। इस जेल की सुरक्षा व्यवस्था बेहद आधुनिक और सख्त रखी जाएगी। जेल परिसर के चारों ओर 12 फीट ऊंची कंटीली तारों की बाड़ लगाई जाएगी। इसके अलावा सुरक्षा के लिए लेजर बीम की व्यवस्था भी होगी, ताकि किसी भी तरह की अनधिकृत गतिविधि या भागने की कोशिश पर नजर रखी जा सके।

दलदली जमीन बनी निर्माण में चुनौती

अधिकारियों के मुताबिक, जेल निर्माण का काम शुरू हो चुका है, लेकिन परियोजना के सामने जमीन की प्रकृति बड़ी चुनौती है। जिस जगह पर जेल बनाई जा रही है, वहां की मिट्टी दलदली है और भूजल स्तर भी काफी ऊपर है। ऐसे में इमारत की नींव को मजबूत बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके तहत करीब 6 हजार पाइल्स का निर्माण किया जा रहा है।

आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को ईडी की कस्टडी खत्म होने के बाद पीएमएलए कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। सपा नेता को गाजियाबाद की डासना जेल में रखा जाएगा। बता दें कि आजम खान को चार दिन की ईडी कस्टडी पूरी होने के बाद उन्हें गाजियाबाद स्थित पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले चार दिनों के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामले में पूछताछ की। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। अब इस गिरफ्तारी की चुनौती देने वाली आजम खान की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील ने भारत के मुख्य न्यायधीश को सुनाई खरी-खोटी

सीजेआई आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं,आपमें ईमानदारी नहीं है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और एक वकील के बीच तीखी बहस हो गई। सुनवाई के दौरान वकील ने सीजेआई से कहा, आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। आपमें ईमानदारी नहीं है। हंगामे के बाद कोर्ट ने सुनवाई को प्रसारण म्यूट कर दिया। दरअसल, वकील अपने मामले पर जल्द सुनवाई चाहते थे। उन्होंने पहले अपनी बात रखने के लिए माफी मांगी और कहा कि मामला बेहद जरूरी है। वकील के मुताबिक, उन्होंने 2 नवंबर को सीजेआई सूर्यकांत के चैंबर में एक दस्तावेज दिया था, लेकिन 15 दिन बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसी वजह से उन्हें अदालत में अपनी बात रखनी पड़ी। वकील की बात सुनने के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने उनसे इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा, हम देखेंगे, आप थोड़ा इंतजार कीजिए। इस पर वकील ने साफ कह दिया कि वे इंतजार नहीं करेंगे। इस दौरान जस्टिस मोहना ने वकील को इस तरह की टिप्पणी करने से रोका, लेकिन वे नहीं माने। उन्होंने फिर सीजेआई से कहा, आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। आपमें ईमानदारी नहीं है। कोर्ट में मौजूद वकीलों के मुताबिक, संबंधित वकील को सुरक्षाकर्मियों ने कोर्टरूम से बाहर कर दिया। वहां मौजूद अन्य वकीलों ने सीजेआई से उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बताया जा रहा है कि वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के एक मामले को लेकर नाराज थे। उन्होंने कथित तौर पर सीजेआई के पद पर बने रहने की योग्यता पर सवाल उठाया, हालांकि जस्टिस बागची और जस्टिस मोहना के प्रति सम्मान जताया।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

नई दिल्ली। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है।

शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंटस पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण की तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (चायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जीन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए।

प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला

92 हजार से अधिक किसानों-शिक्षकों पर दर्ज 600 केस वापस

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले 92 हजार से अधिक किसानों और शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने इनके खिलाफ दर्ज 600 मामलों को वापस लेने के औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। गृह, निषेध और आबकारी विभाग की ओर से सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकार का यह फैसला तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से विधानसभा में की गई घोषणा के बाद आया है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दो सितंबर 2026 को विधानसभा में नियम 110 के तहत घोषणा की थी। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया था कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा।

600 मामलों की हुई कानूनी समीक्षा

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारियों ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच दर्ज किए गए 600 मामलों की पहचान की। इसके बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं और वैधानिक प्रावधानों के तहत इन मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। कानूनी समीक्षा पूरी होने के बाद अब आरोप वापस लेने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे इन मामलों में नामजद 92 हजार से अधिक किसानों और शिक्षकों को आपराधिक रूप से आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से उन किसानों और शिक्षकों को राहत मिली है, जिन्होंने अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था और जिनके खिलाफ इस दौरान मामले दर्ज किए गए थे।

वोलैश्वरर मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

इसके अलावा तिरुचिरापल्ली जिले के लालगुडी तालुक में स्थित वी थुरैयूर के अरुलमिगु चोलेश्वरर मंदिर के लिए लगभग 6.8 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार की योजना बनाई जा रही है। इससे जर्जर हो रहे इस मंदिर को अपनी स्थापत्य विरासत को बचाए रखने हुए फिर से मजबूत ढांचा पाने का मौका मिलेगा। माना जाता है कि इस मंदिर पर चोल वास्तुकला का प्रभाव है और यह काफी हद तक जर्जर हो चुका है। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त (एचआर एंड सीई) विभाग ने पिछले सप्ताह इसके संरक्षण कार्य के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। इस काम की पूरा होने में 24 महीने लगने की उम्मीद है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बचे हुए वास्तुशिल्प तत्वों को संरक्षित करना और ढांचे को हुए नुकसान को ठीक करना है।

आस्था और विश्वास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने खोला 36 घंटे का निर्जला व्रत, मोती तालाब और वैनगंगा नदी के तट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, मोती तालाब की अव्यवस्थाओं पर महिलाओं ने जताई नाराजगी





पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। पर्व के अंतिम दिन अलसुबह नगर के मोती तालाब एवं वैनगंगा नदी के तट पर छठ व्रती महिलाओं का जमावड़ा लगा रहा। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, महिलाओं ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मईया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की। इसी के साथ पिछले 36 घंटे से चल रहा निर्जला व्रत भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। पूरे पूजन के दौरान परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे वे भी आस्था के इस महापर्व में सहभागी बने।

चार दिनों तक चला आस्था और परंपरा का सिलसिला

ज्ञात हो कि छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हुई थी। इसके बाद व्रती महिलाओं ने खरना की परंपरा निभाते हुए प्रसाद ग्रहण किया और फिर 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ किया। पर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया, वहीं सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया गया। छठ पर्व की विशेषता यह है कि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य की आराधना की जाती है।यही वजह है कि इस पर्व को प्रकृति, सूर्य उपासना और लोक आस्था का अद्भुत संगम माना जाता है।

बिहार से देश-विदेश तक फैली है छठ की परंपरा

छठ महापर्व का बिहार और पूर्वांचल में विशेष महत्व है,लेकिन अब यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों में भी पूरी श्रद्धा से मनाया जाता है। लोक मान्यता के अनुसार छठी मईया को सूर्यदेव की बहन माना जाता है और इसी विश्वास के साथ सूर्यदेव की आराधना की जाती है। पौराणिक कथाओं में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा सूर्य उपासना किए जाने का भी उल्लेख मिलता है। छठ पर्व का संदेश भी बेहद खास है, जिसमें अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अगली सुबह उगते सूर्य की आराधना की जाती है। यह परंपरा जीवन में निरंतरता, धैर्य, समर्पण और नई उम्मीद का प्रतीक मानी जाती है।

प्रशासन ने बनानी चाहिए व्यवस्था-आशा तिवारी

छठ महापर्व के दौरान मोती तालाब पर कुछ व्यवस्थागत कमियां भी सामने आईं। व्रत का पारण करने पहुंची महिला आशा तिवारी ने तालाब की सीढ़ियों और आसपास की साफ-सफाई को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि सीढ़ियों पर काई जमी होने के कारण महिलाओं को काफी सावधानी के साथ खड़े होकर पूजा करनी पड़ी। तालाब के आसपास भी कचरा नजर आया। उन्होंने कहा कि वह वर्षों से बालाघाट में छठ पर्व मना रही हैं। अन्य धार्मिक आयोजनों की तरह इस पर्व पर भी नगरपालिका और प्रशासन की ओर से बेहतर साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं की जानी चाहिए थीं। छठ पर्व में महिलाओं को जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देना होता है, ऐसे में घाटों की स्वच्छता और सुरक्षा बेहद जरूरी है। हालांकि, तमाम कठिनाइयों के बीच महिलाओं ने पूरी श्रद्धा और परंपरा के साथ पूजन संपन्न किया।

सच्चे मन से पूजा करने पर पूरी होती हैं मनोकामनाएं- चांदनी

छठ पर्व पर व्रत रखने वाली महिला चांदनी मिश्रा ने बताया कि छठी मईया की सच्चे मन से आराधना करने पर परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार को एक साथ जोड़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर भी है। उन्होंने बताया कि चार दिनों तक पूरे नियम और पवित्रता के साथ पूजा की जाती है। व्रती महिलाओं के साथ उनके परिवार के सदस्य भी पूरी श्रद्धा से इस आयोजन में शामिल होते हैं।

खैरलांजी के ग्राम घोटी से दो युवतियां लापता

अपहरण का मामला दर्ज, दो दिन के अंतराल में घर से बिना बताए निकलीं जमुना और जयश्री, पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया अपराध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोटी से दो दिन के अंतराल में दो युवतियों के लापता होने का मामला सामने आया है। लापता युवतियों की पहचान जमुना देवाहे 18 वर्ष और जयश्री दिगवृहे 22 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर काफी तलाश किए जाने के बावजूद दोनों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद परिजनों ने खैरलांजी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मंडई देखकर घर लौटी-रात में बिस्तर से मिली गायब

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिरकनबाई देवाहे 50 वर्ष ग्राम घोटी निवासी मजदूरी का कार्य करती हैं। उनके तीन बेटियां और दो बेटे हैं। जमुना उनकी सबसे छोटी बेटी है। उसने दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है और पढ़ाई छोड़ने के बाद घरेलू कामकाज करती थी।बताया गया कि 10 नवंबर को ग्राम घोटी में मंडई का आयोजन था। रात करीब 11 बजे जमुना मंडई में कार्यक्रम देखने के बाद घर लौटी और खाना खाकर अपने बिस्तर पर सो गई। परिवार के अन्य सदस्य भी सो गए थे। रात करीब 3 बजे जब उसकी मां की नींद खुली तो जमुना अपने बिस्तर पर नहीं मिली। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों की उठाकर उसकी तलाश शुरू की गई। परिजनों ने गांव और आसपास के मोहल्लों के अलावा रिश्तेदारी में वारासिवनी, पिंडकेपार, मोहगांव और बपेरा में भी पता लगाया, लेकिन जमुना का कोई सुराग नहीं मिला। जमुना का रंग गोरा, चेहरा गोल और कद करीब 5 फीट 5 इंच बताया गया है। घर से निकलते समय उसने नीले रंग का सलवार-सूट पहना हुआ था।काफी तलाश के बाद भी बेटी का पता नहीं चलने पर मां हिरकनबाई ने खैरलांजी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीएससी की छात्रा जयश्री भी लापता

इसी प्रकार ग्राम घोटी निवासी सालिकराम दिरबूड़े 48 वर्ष खेती-किसानी करते हैं। उनकी दो बेटियां और एक बेटा है। उनकी सबसे छोटी बेटी जयश्री 22 वर्ष बालाघाट के पीजी कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई कर रही है।परिजनों के अनुसार 12 नवंबर को सुबह करीब 7:30 बजे जयश्री घर में किसी को कुछ बताए बिना चली गई। शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिवार के सदस्यों ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की। इसके बाद रिश्तेदारों से संपर्क कर उसरावूंदी और भंडारा सहित अन्य स्थानों पर भी जानकारी ली गई, लेकिन जयश्री वहां भी नहीं मिली।जयश्री का रंग गोरा, चेहरा गोल और कद करीब 5 फीट बताया गया है। घर से निकलते समय उसने सफेद रंग का सलवार-सूट पहना हुआ था।बेटी का कोई सुराग नहीं मिलने पर पिता सालिकराम ने खैरलांजी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर जयश्री की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने जिलेवासियों से मांगा सहयोग

दो युवतियों के एक ही गांव से लापता होने के मामले को लेकर पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। खैरलांजी पुलिस ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को भी दोनों युवतियों के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें ताकि उन्हें सुरक्षित खोजने में मदद मिल सके।

बड़गांव में आधी रात को दरिंदगी- नाबालिग छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

6 नामजद आरोपियों पर पास्को एक्ट समेत गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज़। लांजी। जिले के लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम बड़गांव में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। मंडई में मामा के घर आई एक नाबालिग छात्रा के साथ आधी रात को सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। यह वारदात 13 एवं 14 नवंबर की दरमियानी रात 1.30से 2.बजे के बीच घटित की गई पीड़ौता की शिकायत पर लांजी पुलिस ने 6 नामजद युवकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

परिवार के साथ मामा के गांव मंडई में आई थी पीड़ौता

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ौता 17 वर्षीय छात्रा है जो नागपुर में रहकर बीएससी होम साइंस प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। उसका परिवार मूल रूप से लांजी क्षेत्र का ही रहने वाला है।13 नवंबर को वह अपने माता-पिता, भाई-बहन के साथ बड़गांव में अपने मामा के घर मंडई में शामिल होने आई थी। मंडई में घूमने के बाद रात करीब 10 बजे वह परिवार के साथ मामा के घर लौट आई थी।

अपने दोस्त से मिलने घर से निकली थी पीड़ौता

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार रात 12:30 बजे पीड़ौता ने अपने दोस्त राजू दशरिया से फोन पर बात की राजू उससे मिलने के लिए बड़गांव आ रहा था रात करीब 1:30 बजे पीड़ौता घर से बाहर निकली थी। राजू ने उसे मोटरसाइकिल में बैठा कर खेत तरफ ले गया और दोनों बातचीत कर रहे थे आरोप है कि इसी दौरान पांच के बाहर खेत की तरफ 8अनजान युवक पहुंचे और उनसे नाम पता पूछने लगे पीड़ौता और राजू ने अपना नाम पता बताएं,हीन लड़के राजू के पास खड़े होकर उसे डांट फटकार लगाने लगे और उसे लेकर दूसरी तरफ चले गए। पांच लड़के पीड़ौता को मामा के घर छोड़ देते हैं बोलकर कुछ दूर खेत तरफ ले गए और उन युवको ने पीड़िता को मारपीट किए धक्का देकर गिरा दिए और इन पांच युवकों ने अपनी दरिंदगी दिखाते हुए पीड़ौता के साथ बारी-बारी से बलात्कार किये और सभी फरार हो गए। पांचो के फरार होने के बाद पीड़ौता ने हिम्मत जुटाकर अपनी सहेली को फोन किया। सहेली अपने भाई के साथ मौके और पहुंची और पीड़ौता को घर लाई।

डर और सदमे के कारण तीन दिन तक चुप रही छात्रा

घटना के बाद पीड़ौता गहरे सदमे और डर में थी। तबीयत बिगड़ने और लोक-लाज के डर के कारण वह तुरंत किसी को कुछ नहीं बता सकी।तीन दिन तक मन ही मन घुटने के बाद आखिरकार 16 नवंबर को उसने हिम्मत जुटाई और परिजनों के साथ लांजी थाना पहुंचकर पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर पीड़ौता का मेडिकल परीक्षण कराया।

पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

पीड़िता की रिपोर्ट पर लांजी पुलिस ने बड़गांव के पांच युवक विकास अतुल रविशंकर अभय और लकी दीघोरे के राजू दशरिया कुल 6 आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 70(2), 115(2) और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5जी, 5एल/6 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।सूत्रों के अनुसार पुलिस ने संदिग्धों की हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

उपभोक्ता संरक्षण समिति की आम सभा बैठक में उपभोक्ताहित में लिये गये अनेक निर्णय

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के महामंत्री भीवाजी उके द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि गत 35 वर्षों से पीड़ित उपभोक्ताओं के हितों में निस्वार्थ रूप से निरंतर कार्य कर रही इस समिति की आम सभा की बैठक गत दिवस संतोष असाटी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय प्रेमनगर बालाघाट में 4-30 बजे प्रारंभ की गई।सर्वप्रथम समिति की वरिष्ठतम सदस्य प्रो0 शोभागनी पिछड़े द्वारा समिति को एक उच्च क्वालिटी का पोर्टेबल साउंड सिस्टम प्रदान किये जाने के उपलक्ष्य में समिति की ओर से उनका सम्मान करते हुवे उन्हें आभार पत्र भेंट किया गया । तत्पश्चात अध्यक्ष संतोष असाटी द्वारा विगतीय वर्ष 2026-27 (दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 अक्टूबर 2026) तक लेखा जोखा तथा आय व्यय का ब्यौरा पढ़कर सुनाया गया तथा बताया गया कि वर्तमान में समिति के पास एफडीआर के रूप में रूपये 200000 जिला सहकारी बैंक के बचत खाते में 31 अक्टूबर 2026 की स्थिति में रूपये 33657 तथा कोषाध्यक्ष के पास नगद राशि रूपये 71 रु शेष है । जिसे बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई । अध्यक्ष महोदय द्वारा आगे जानकारी देते हुये समिति द्वारा विगत एक वर्ष के कार्यकाल में किये गये कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई।आपने यह भी बताया कि समिति द्वारा चलाये जा रहे उपभोक्ता जागरूकता अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय हट्टा एवं किरनापुर, शासकीय हायर सेकेन्डरी स्कूल सालेटेका, खारा, कन्या हायर सेकेन्डरी स्कूल किरनापुर, हायर सेकेन्डरी स्कूल हिरी किरनापुर, उल्कुह हायर सेकेन्डरी स्कूल बैहर, पीएमश्री शासकीय कन्या हायर सेकेन्डरी स्कूल बैहर तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में छात्र छात्राओं एवं स्टाफ के साथ उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें उपभोक्ताओं के अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा आगे भी इसी प्रकार के उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं आयोजित होंगे साथ ही नुक्कड़ सभाओं के रूप में भी आयोजित किये जावेंगे ।

विभिन्न प्रस्तावों पर हुई चर्चा

बैठक में उपस्थित समिति के समस्त सदस्यों सहित संरक्षक लोचनसिंह दे़शमुख तथा समिति के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों द्वारा भी अपने अपने प्रकोष्ठों की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई एवं भविष्य में उपभोक्ता हित में रखे जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये गये।नगरपालिका प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमति मंजुला तिवारी द्वारा बताया गया कि शहर की ज्वलंत समस्याओं जैसे कि आवारा पशुओं एवं आवारा कुत्तों के विचरण तथा मनमाने तरीके से बनाये गये स्पीड ब्रेकरों को हटाये जाकर तकनीकी मापदंडानुसार बनाये जाने के संबंध में नगरपालिका प्रशासन एवं जिला प्रशासन को ज्ञापन पत्र दिये गये हैं किन्तु उस पर संतोषप्रद कार्यवाही नहीं हो पाई है।जिस वजह से शीघ्र ही समिति का एक प्रतिनिधिमंडल उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर नवागत कलेक्टर महोदय से भेंट कर चर्चा की जायेगी । बैठक में निर्धारित मापदंड के विपरीत प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों का चलन रोके जाने के संबंध में उचित एवं आवश्यक कार्यवाही करवाये जाने के संबंध में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही इस संबंध में समिति का प्रतिनिधिमंडल द्वारा नगरपालिका प्रशासन सहित कलेक्टर महोदय एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी महोदय से भेंट कर ज्ञापन पत्र प्रस्तुत किया जावेगा।बैठक में आगामी दिनांक 24 दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाये जाने के लिये स्थान का चयन किये जाने पर भी चर्चा की गई।समिति की प्रबंधकारिणी की आगामी बैठक 19 दिसम्बर को आयोजित होगी।कार्यक्रम के अंत में समिति के सदस्य सुरजलाल गौतम की धर्मपत्नि स्व0 कपूरदेवी गौतम, हरीराम सावलानी की बहन स्व0 कौशल्या देवी वाधवानी तथा शिवशंकर तिवारी की बडी माता के निधन हो जाने पर दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई । इस दौरान,सुश्री शोभागनी पिछड़े, डॉ. गोपाल प्रसाद श्रीवास्तव, संतोष जैन,एल.डी. मेश्राम, सुधाष गुप्ता, बी.आर.पैरम, पवन चंदानी, सुरेश रंगलानी, घनीराम कटरे, संजीव (चीनू) जैन, एड. संदीप नेमा, राजेश गांधी, प्रकाश मेश्राम, श्याम कौशल, दिलीप वडोचार, श्रीमति प्रतिमा काम्बले, एड.श्रीमति प्रीतेश्वरी मर्सकोले सहित अन्य उपस्थित रहे।



लांजी में मंडई मेलों की आड़ में जुए और अवैध शराब का साम्राज्य

52 पत्तों और झंडी-मुंडी के खेल पर नहीं लग रही लगाम, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के लांजी थाना क्षेत्र में आयोजित होने वाले मंडई मेले अब मनोरंजन और पारंपरिक मेल-मिलाप के बजाय कथित तौर पर जुआ और अवैध शराब के कारोबार के लिए चर्चा में आने लगे हैं। ताश के 52 पत्तों से जुए का खेल हो या झंडी-मुंडी का दांव मंडई की आड़ में इन गतिविधियों के खुलेआम संचालित होने के आरोप सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही अवैध शराब की बिक्री भी क्षेत्र में चिंता का विषय बनी हुई है।

एस पी आदित्य मिश्रा के स्थानांतरण के बाद बढ़ा अवैध कारोबार

बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के स्थानांतरण के बाद लांजी थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण कमजोर पड़ गया है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि मंडई मेलों में जुआ और अवैध शराब का कारोबार बिना किसी प्रभावी रोक-टोक के संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं कुछ लोगों द्वारा इन अवैध गतिविधियों को पुलिस संरक्षण मिलने तक के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

बड़गांव की मंडई में भी चलता रहा जुए का खेल

13 नवंबर को ग्राम बड़गांव में आयोजित मंडई मेले में भी कथित तौर पर ताश के 52 पत्तों और झंडी-मुंडी का खेल चलता रहा। मेले में अवैध शराब की बिक्री होने की जानकारी भी सामने आई है। सवाल यह है कि जब ऐसे आयोजन सार्वजनिक रूप से होते हैं तो जिम्मेदार पुलिस अमले को इन गतिविधियों की जानकारी क्यों नहीं मिलती यदि जानकारी है तो कार्रवाई क्यों नहीं की जाती

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने बढ़ाई चिंता

13 नवंबर की रात ग्राम बड़गांव में ही एक नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म की गंभीर घटना सामने आने के बाद क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और महिला-बाल सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस घटना ने मंडई मेलों में सुरक्षा इंतजामों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी की आवश्यकता को और गंभीर बना दिया है। सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में ग्राम बड़गांव के ही पांच युवकों के विरुद्ध नामजद अपराध दर्ज किया गया है।

आखिर किसके संरक्षण में चल रहा कारोबार

लांजी क्षेत्र में मंडई मेलों के दौरान जुआ और अवैध शराब की बिक्री के आरोपों ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। क्या संबंधित थाना पुलिस को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है यदि पुलिस संरक्षण के आरोप निराधार हैं तो पुलिस प्रशासन को सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।अब निगाहें नवागत पुलिस अधीक्षक मलय जैन और लांजी पुलिस प्रशासन पर टिकी हैं। जरूरत है कि मंडई मेलों में चल रहे कथित जुए और अवैध शराब के कारोबार की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि पारंपरिक मंडई मेले अवैध गतिविधियों का अड्डा बनने से बच सकें और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सत्य साई सेवा समिति द्वारा नगर में आयोजित विश्व अखंड भजन सम्पन्न

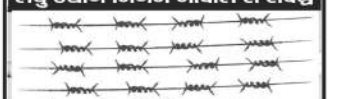
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। श्री सत्य साई सेवा संगठन, बालाघाट के तत्वावधान में भगवान श्री सत्य साई बाबा के आगामी जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 घंटे के विश्व अखंड भजन का भव्य आयोजन किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आध्यात्मिक अनुष्ठान दिनांक 14 नवंबर की शाम 6 बजे से प्रारंभ होकर 15 नवंबर की शाम 6 बजे तक अनवरत चला।बताया गया कि श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा यह वैश्विक अखंड भजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है,जिसकी शुरुआत भगवान श्री सत्य साई बाबा के 23 नवंबर को मनाए जाने वाले जन्मोत्सव की पूर्व बेला में पूरे विश्व में की जाती है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण विश्व में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। बालाघाट में आयोजित इस अखंड भजन में जिलेभर के श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया।



विभिन्न समितियों की रही सक्रिय सहभागिता

इस पावन कार्यक्रम की दिव्यता और भव्यता को बढ़ाते हुए बालाघाट जिले की विभिन्न क्षेत्रीय समितियों के प्रतिनिधि और श्रद्धालु बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में विशेष रूप से लालबर्रा, बल्हारपुर, सुरजाटोला, कटंगी, खापा, और वारासिवनी सहित अनेक समितियों के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सामूहिक रूप से भजनों की प्रस्तुतियां दीं।24 घंटे चले इस निरंतर भजन-कीर्तन से संपूर्ण क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के सफल समापन पर समस्त सेवा समितियों और श्रद्धालुओं ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए विश्व कल्याण की कामना की।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनमुनिया
आकर्षक झांकियों के साथ
गायक - दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत
7440787959
8085493332

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सिंचाई परियोजना में आगजनी के आरोपी जनपद सदस्य और सरपंच पद से पृथक, छह साल तक चुनाव लड़ने पर भी रोक

दोनों जनप्रतिनिधियों को जेल में रहने के दौरान पद से हटाने का आदेश, पंचायतों में रिक्त पदों पर चुनाव की चर्चा तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के राधोटोला में सिंचाई परियोजना स्थल पर हुई आगजनी के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इस प्रकरण में आरोपी जनपद सदस्य भुवनेश्वर रजक और प्रतापपुर ग्राम पंचायत के सरपंच राजेश सिरसाम को उनके पदों से पृथक कर दिया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के न्यायालय ने मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40(1)(ख) के तहत दोनों जनप्रतिनिधियों को पद से हटाने के साथ आगामी छह वर्ष तक पंचायत चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया है। दोनों जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध हुई इस कार्रवाई के बाद अब संबंधित क्षेत्र में रिक्त हुए पदों को लेकर चुनाव की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। मामला 1 जुलाई को लामता क्षेत्र के ग्राम राधोटोला स्थित त्रिराज वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की सिंचाई परियोजना से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार परियोजना स्थल पर कंपनी के सामान और निर्माण कार्य से जुड़ी सामग्री रखी हुई थी। आरोप है कि जनपद सदस्य भुवनेश्वर रजक और प्रतापपुर सरपंच राजेश सिरसाम ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर कंपनी से 10 लाख रुपए की मांग की थी। मांग पूरी नहीं होने पर परियोजना स्थल पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया। इस आगजनी में कंपनी के सिंचाई



परियोजना से संबंधित सामान जलकर नष्ट हो गए थे, जिससे करीब चार से पांच करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान बताया गया था। घटना के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उन्हें न्यायालय में पेश किया गया था। इसके बाद से दोनों जनप्रतिनिधि न्यायिक निरुद्धता में हैं। उनके जेल में रहने के कारण संबंधित पंचायतों में प्रशासनिक और विकास कार्यों के संचालन को लेकर समस्याएं सामने आने लगी थीं। विशेष रूप से प्रतापपुर ग्राम पंचायत में सरपंच को अनुपस्थिति के चलते ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने, जनहित से जुड़े कार्यों और निर्माण गतिविधियों के संचालन में परेशानी होने की बात सामने आई थी। सरपंच के जेल में रहने से पंचायत के कामकाज पर पड़ रहे असर को देखते हुए प्रतापपुर के ग्रामीणों ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की थी। ग्रामीणों ने सरपंच का प्रभार किसी अन्य निर्वाचित पंच को सौंपने की मांग उठाई थी, ताकि पंचायत के नियमित कामकाज और विकास कार्यों को प्रभावित होने से बचाया जा सके। वहीं जनपद सदस्य के जेल में होने से जनपद पंचायत क्षेत्र में भी जनप्रतिनिधित्व और विकास संबंधी कार्यों को लेकर स्थिति प्रभावित होने की बात कही जा रही थी। इसी पृष्ठभूमि में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के न्यायालय द्वारा दोनों जनप्रतिनिधियों को पद से पृथक करने और छह वर्ष तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने का आदेश जारी किया गया है। इस कार्रवाई के बाद जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर रिक्त हुए पदों को लेकर आगे की प्रक्रिया पर नजरें टिक गई हैं। क्षेत्र में अब यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि इन पदों पर चुनाव कब होंगे और नई व्यवस्था के तहत पंचायतों का कामकाज किस प्रकार संचालित किया जाएगा। इस संबंध में जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी फिरदौस शहा ने बताया कि मामले में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों जनप्रतिनिधियों को पद से पृथक किए जाने के आदेश के बाद संबंधित क्षेत्र की पंचायतों में आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर इंतजार बना हुआ है।

बुढ़ी-भटेरा में जाम से राहत की कवायद तेज, विभागों को सौंपी जिम्मेदारी

यातायात पुलिस की बैरिकेडिंग से जाम में आई कमी, वैकल्पिक मार्गों के विकास और सड़क सुधार पर जोर, भारती ठाकुर ने ली समीक्षा बैठक, अशोक पटेल बनाए गए नोडल अधिकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के चलते बुढ़ी रेलवे क्रॉसिंग और आसपास के मार्गों पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए नगर पालिका ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी सिलसिले में 16 नवंबर को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए जरूरी इंतजामों पर चर्चा की और विभागवार जिम्मेदारियां तय कीं। बैठक में बताया गया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन में यातायात पुलिस ने बुढ़ी क्षेत्र में बैरिकेडिंग की है, जिससे जाम की स्थिति में काफी हद तक सुधार आया है। अब यातायात का दबाव बांटने के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने और मौजूदा डायवर्सन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।अधिकारियों को डायवर्सन मार्गों पर दिशा-सूचक संकेतक लगाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव, यातायात संचालन के लिए कर्मचारियों की तैनाती तथा रेलवे क्रॉसिंग पर लाउडस्पीकर से उद्घोषणा कराने की व्यवस्था करने को कहा गया। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भी आवश्यक इंतजाम करने पर जोर दिया गया।कार्यों के समन्वय और निगरानी के लिए नगर पालिका कार्यालय अधीक्षक अशोक पटेल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। नगर पालिका और सेतु विभाग को आपसी तालमेल से सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी करने के निर्देश दिए गए।नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण के साथ नागरिकों की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना भी प्राथमिकता है। यातायात पुलिस की बैरिकेडिंग से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। अब वैकल्पिक मार्गों, धूल नियंत्रण और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सहित जाम से राहत के लिए संबंधित विभागों के सहयोग से लगातार काम किया जाएगा।बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, इंजीनियर सुमित मोटवानी, ज्योति मेश्राम, खूशबू पटेल, कार्यालय अधीक्षक अशोक पटेल, विद्युत शाखा प्रभारी श्री पटले एवं श्री पारधी, स्वास्थ्य एवं राजस्व शाखा के अधिकारी तथा सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुन सोनीडिया उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में मृत अज्ञात वृद्ध के परिजनों का 8 माह बाद भी नहीं लगा सुराग

हनुमान चौक से 108 एंबुलेंस द्वारा कराया गया था भर्ती उपचार के दौरान हुई थी मौत- कोतवाली पुलिस ने जिलेवासियों से मांगा सहयोग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान दम तोड़ने वाले एक अज्ञात वृद्ध के परिजनों का आठ माह बीत जाने के बाद भी कोई



पता नहीं चल पाया है। कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों की तलाश की जा रही है, लेकिन अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने जिलेवासियों से मृतक की पहचान कराने और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने में सहयोग की अपील की है। कोतवाली पुलिस के अनुसार 21 मार्च 2026 की रात 3:54 बजे हनुमान चौक बालाघाट से 108 एंबुलेंस के माध्यम से करीब 65 वर्षीय एक अज्ञात वृद्ध को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उसके परिजनों की तलाश की गई लेकिन कोई भी परिजन सामने नहीं आया।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 4 अप्रैल 2026 को वृद्ध की मृत्यु हो गई।इसके बाद शव को दो दिनों तक अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखकर परिजनों की तलाश की गई,लेकिन मृतक की पहचान अथवा उसके परिजनों के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी इसके बाद 4 अप्रैल 2026 को अज्ञात वृद्ध के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया गया। नियमानुसार नगर पालिका के माध्यम से शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।इस मामले में कोतवाली बालाघाट में मर्ग क्रमांक 17/2026 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कायम किया गया है। पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों एवं रिश्तेदारों की लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।

पुलिस ने की सहयोग की अपील

कोतवाली पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त अज्ञात वृद्ध के संबंध में कोई जानकारी हो अथवा उसके परिजन या रिश्तेदार इस समाचार को पढ़ रहे हों तो वे कोतवाली थाना बालाघाट से संपर्क कर जानकारी दें ताकि मृतक की पहचान सुनिश्चित कर उसके परिवार तक सूचना पहुंचाई जा सके।

लोरा में 18 लाख की चोरी के मामले में पुलिस कार्रवाई पर सवाल, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

शिकायत दर्ज कराने के लिए सीएम हेल्पलाइन 181 का लेना पड़ा सहारा, एक महीने बाद भी सुराग नहीं मिलने से परेशान पीड़ित ने एसपी मलय जैन को सौंपा आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम लोरा में एक सूने मकान से नकदी और सोने-चांदी के आभूषणों सहित लाखों रुपए की चोरी के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चोरी की घटना के एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं मिलने और चोरी गए सामान की बरामदगी नहीं होने से परेशान पीड़ित अविनाश गोयल ने 16 नवंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट पहुंचकर एसपी मलय जैन को आवेदन सौंपा। पीड़ित ने मामले में शीघ्र जांच कर चोरी का खुलासा करने के लिए मलाजखंड पुलिस को निर्देशित करने की मांग की है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि घटना के बाद शुरुआत में पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज करने में भी टालमटोल की। आखिरकार उन्हें सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत करनी पड़ी, जिसके बाद 3 नवंबर को पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज की। ग्राम लोरा के वार्ड क्रमांक 11 निवासी अविनाश गोयल, पिता यशवंत गोयल ने आवेदन में बताया कि 9 अक्टूबर को उनके पुराने निवास में चोरी की वारदात हुई थी। उस दिन परिवार के सदस्य बालाघाट में आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उनके माता-पिता सुबह करीब 11 बजे मकान में ताला लगाकर घर की चाबी पड़ोस में देकर बालाघाट चले गए थे। इसके बाद अविनाश भी शाम करीब 4 बजे अपनी पत्नी के साथ मोहगांव से लोरा स्थित पुराने मकान पहुंचे। पड़ोसी से चाबी लेकर उन्होंने अलमारी में रखे अपने और पत्नी के आभूषण निकाले तथा मकान में ताला



लगाकर बालाघाट चले गए। रात में वे मोहगांव लौट आए, जबकि अगले दिन 10 अक्टूबर को रात करीब 10 बजे उनके माता-पिता घर वापस पहुंचे तो मकान के अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए।पीड़ित के अनुसार घर के भीतर सामान बिखरा पड़ा था और चारों अलमारियों के दरवाजे खुले हुए थे। जांच करने पर पता चला कि घर के पीछे की ओर लगी खिड़की की सलाखें निकली हुई थीं। आशंका जताई गई कि अज्ञात चोर इसी रास्ते से घर के अंदर दाखिल हुए और अलमारियों में रखी नकदी तथा जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर अविनाश भी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों को बुलाकर घर में हुई चोरी की जानकारी दी गई और अपने स्तर पर भी सामान की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अविनाश ने बताया गया है कि घर से करीब 7 लाख 65 हजार रुपए नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी हुए हैं। इनमें सोने की 10 मुंगियां, एक बिंदिया, दो लॉकेट, दो जोड़ी कंठमाली और चार जोड़ी सोने के कान के झुमके शामिल हैं। इसके अलावा चांदी की सात जोड़ी पायल, चार जोड़ी बिछिया और तीन जोड़ी खोचना भी चोरी होने की बात कही गई है। इस तरह नकदी और जेवरात मिलाकर चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत लगभग 18 लाख रुपए के आसपास बैठती है। अविनाश गोयल का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने मलाजखंड थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन कई बार थाने जाने के बावजूद उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के बाद पुलिस ने उन्हें थाने बुलाया और 3 नवंबर को उनकी रिपोर्ट दर्ज की गई। पीड़ित का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी अब तक चोरी गए नकदी और जेवरात का पता नहीं लगाया जा सका है। न ही उन्हें पुलिस की जांच और अब तक की कार्रवाई के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी मिल पाई है। लगातार इंतजार और पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट होकर अविनाश ने अब पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि चोरी की घटना गंभीर है और परिवार की मेहनत की कमाई के साथ वर्षों से संजोकर रखे गए आभूषण चोरी हुए हैं। ऐसे में मामले की गंभीरता से जांच कर अज्ञात आरोपियों का पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने एसपी से मलाजखंड थाना पुलिस को आवश्यक निर्देश देने तथा चोरी गए नकदी और आभूषणों की बरामदगी के लिए प्रभावी कार्रवाई कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि एसपी के समक्ष आवेदन पहुंचने के बाद इस मामले की जांच में कितनी तेजी आती है और पीड़ित परिवार को चोरी की वारदात का खुलासा होने से कब तक राहत मिल पाती है।

जिला मुख्यालय से ग्रामीण अंचलों तक आस्थापूर्वक मनाई गयी भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती

गायखुरी स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में हवन-पूजन के बाद वैनगंगा नदी में किया दीपदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कलार समाज के लोगों ने अपने आराध्य भगवान सहस्त्रबाहु का स्मरण करते हुए विभिन्न स्थानों पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए। जिला मुख्यालय के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ ही खैरी और गायखुरी सहित आसपास के ग्रामों में सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने अपने-अपने स्तर पर जयंती समारोह आयोजित किए। कहीं समाजबंधुओं ने एकत्रित होकर पूजा-अर्चना की, तो कहीं बड़े स्तर पर आयोजन कर सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लोगों ने भगवान सहस्त्रबाहु के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने के साथ ही सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती का संदेश दिया। जयंती के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भगवान सहस्त्रबाहु के चित्र के समक्ष पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। इस दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने भगवान सहस्त्रबाहु के जीवन, व्यक्तित्व और आदर्शों पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। समाज को संगठित रखने, आपसी सहयोग बढ़ाने और सामाजिक गतिविधियों में सभी वर्गों की



भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इसी क्रम में शहर से लगे गायखुरी स्थित वैनगंगा नदी तट के भगवान सहस्त्रबाहु मंदिर में 16 नवंबर सोमवार को मंदिर समिति के तत्वावधान में जयंती समारोह धूमधाम और आस्थापूर्वक मनाया गया। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए समाजबंधुओं और श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ बच्चों और महिलाओं के लिए प्रतियोगिताएं भी रखी गईं, जिनमें उत्साहपूर्वक सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के तहत सुबह 10 बजे रंगोली और फूलमाला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों एवं महिलाओं ने भाग लेकर आकर्षक रंगोलियां बनाईं और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके बाद दोपहर 3 बजे पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। शाम 5.30 बजे श्रद्धालुओं ने वैनगंगा नदी में दीपदान किया। नदी तट पर दीप प्रज्वलित कर भगवान सहस्त्रबाहु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की गई। शाम 6 बजे आयोजित कार्यक्रम में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही दशहरा पर्व पर हनुमान जी महाराज का चोलाधारण करने वाले महाराजों को भी सम्मानित किया गया। अंत में श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भगवान सहस्त्रबाहु के जीवन और आदर्शों का उल्लेख करते हुए समाज के लोगों से एकजुट होकर विकास एवं उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब सभी लोग आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर सामूहिक हित में काम करें। समाज के असहाय और कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता कर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए भी सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। शिक्षा, सामाजिक सहयोग और संगठनात्मक मजबूती के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष राकेश पप्पू दौने, सचिव आकाश बोरीकर, उपाध्यक्ष महेश डोंडरे, किशोर सोनेकर, योगेश बिसेन, कोषाध्यक्ष विशाल बोरीकर, मीडिया प्रभारी राहुल बोरीकर, सहसचिव अशोक सोनेकर, भूमेश्वर बोरीकर, कृष्णा दौने, महेन्द्र सोनबिरसे सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सहयोग रहा।

प्रेमप्रकाश आश्रम में श्रद्धा और भक्ति के साथ मना सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का चौथा दिवस

चेन्नई से पहुंचे संत राहुल जी के सान्निध्य में हुआ सत्संग और भजन-कीर्तन, दामोदर दीपदान के बाद विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिंधी कॉलोनी स्थित प्रेमप्रकाश आश्रम में कार्तिक महोत्सव के अवसर पर सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का चौथा दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। प्रेमप्रकाश मंडल द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में चेन्नई से पधारे संत राहुल जी का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। दिनभर चले सत्संग, भजन-कीर्तन, दामोदर दीपदान और धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8 बजे से सत्संग के साथ हुआ। इस दौरान संत राहुल जी ने अपने प्रवचनों में सतगुरु की महिमा, नाम सिमरन, सेवा, सदाचार और मानव कल्याण का महत्व बताया। उन्होंने श्रद्धालुओं को सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज के बताए



प्रेम, परोपकार, त्याग और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि सत्संग से मन को शांति मिलती है,सिमरन से आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है और सेवा से जीवन सार्थक बनता है।सत्संग के उपरांत श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से दामोदर दीपदान किया तथा परिवार और विश्व के सुख, शांति एवं कल्याण की कामना की। इसके बाद पक्षी की धार्मिक परंपरा निभाई गई और महाप्रसादी का वितरण किया गया।कार्यक्रम को अगली कड़ी में शाम 6 से रात 8 बजे तक भजन-सत्संग का आयोजन हुआ। भक्ति गीतों और सतगुरु महाराज के जयकारों से आश्रम परिसर भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।पूरे आयोजन के दौरान प्रेमप्रकाश मंडल बालाघाट के सेवादारों ने समर्पण भाव से व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। सेवा और सहयोग की भावना के साथ संपन्न हुए इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण में जुड़ने का अवसर प्रदान किया। संत राहुल जी के सान्निध्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का समापन भक्ति, सत्संग और सेवा के संदेश के साथ हुआ।

जाम शराब दुकान के पास दो पक्षों में खूनी संघर्ष, ईट-पत्थर से मारपीट और जान से मारने की धमकी

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चार व्यक्तियों पर किया मामला दर्ज, घायल का निजि अस्पताल में उपचार जारी





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम मोहगांव जाम एवं जाम पहुंच मार्ग स्थित जाम शराब दुकान के समीप शनिवार की रात में आपसी विवाद और पुरानी कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में एक पक्ष के युवकों पर सेलवा के चार युवकों द्वारा लात-घूंसों, पत्थरों और ईंटों से हमला करने का गंभीर आरोप लगा है। वहीं इस मारपीट की घटना में पीड़ित और उसका छोटा भाई नरेश ठाकरे गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका उपचार बालाघाट के निजि अस्पताल में जारी है और लोकेश ठाकरे को भी सिर में चोटें आई है। वहीं पीड़ितजनों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया है कि घटना के बाद पुलिस को जानकारी दी गई लेकिन उनके द्वारा दुसरे दिन रविवार तक आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की गई, जिसके बाद सोमवार को गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को चौपहिया वाहन से लालबर्रा थाना लाया गया जिसके बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। जबकि घटना के बाद ही रिपोर्ट दर्ज होनी चाहिए थी किन्तु ऐसा नही हुआ है जो गलत है। पुलिस ने प्रार्थी लोकेश ठाकरे की रिपोर्ट पर चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा २९६ (बी), ११५ (२), ३५१ (२), ३ (५) के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला ?

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी मोहगांव जाम निवासी लोकेश ठाकरे मजदूरी का काम करता है, १४ नवंबर की रात करीब १०.३० बजे वहां अपने दोस्त कमलेश पटले के साथ मोटरसाइकिल से घर से बहेगांव जा रहा था। रास्ते में ग्राम जाम शराब दुकान के सामने उन्हें गांव के संदीप तुलसीकर और पवेश राहंगडाले मिले तो प्रार्थी ने अपनी मोटरसाइकिल रोड किनारे खड़ी की और चारों लोग आपस में बातचीत करने लगे। इसी दौरान ग्राम सेलवा के दो अज्ञात लड़के (जिन्हें प्रार्थी नहीं पहचानता) शराब दुकान आये और आते ही उन्हे गंदी गाली-गलौच करने लगे। जब विरोध किया गया तो दोनों युवकों ने गाली-गलौच करते हुए प्रार्थी की खड़ी मोटरसाइकिल को लात मारकर जमीन पर गिरा दिये और भाग गये। वही आरोपियों की हरकत के बाद जब प्रार्थी और उसके साथियों ने उनका पीछा किया, तो वे ग्राम बगदेही व सेलवा के बीच रोड मोड़ पर मिले। इस बीच प्रार्थी ने अपने भाई को फोन पर पूरी जानकारी दी, जिसके बाद उसका भाई और अन्य लोग भी मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किये तो मामला शांत हो गया था। वहीं समझाइश के बाद जब प्रार्थी वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में जाम शराब दुकान के सामने वे दोनों लड़के अपने दो अन्य साथियों के साथ फिर से मिल गये और उन्होंने आते ही दोबारा गंदी गालियां देते हुए धक्का-मुक्की करते मौके पर पड़े पत्थर, ईट से प्रार्थी और उसके भाई नरेश के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिये। इस मारपीट की घटना में लोकेश एवं नरेश दोनों भाई लहुलुहान हो गये, जिसके बाद उन्होने घटना की जानकारी अपने मामा एवं ग्रामीणजनों को दिये। जिनके बीच-बचाव के बाद मामला शांत हुआ और मारपीट करने वाले अज्ञात व्यक्ति फरार हो गये। वहीं जिन लोगों ने लोकेश एवं उसके भाई के साथ मारपीट की है उनमें से एक युवक सचिव का लड़का होना बताया जा रहा है। इस तरह से अज्ञात चार व्यक्तियों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। जिसके बाद से पीड़ित दोनों भाई दहशत में है और एक भाई नरेश के सिर एवं शरीर में गंभीर चोटें आई है, जिसका उपचार बालाघाट के निजि अस्पताल में जारी है। पीड़ितजनों ने पुलिस प्रशासन से मारपीट करने वाले अज्ञात चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। वही पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और निष्पक्ष जांच के बाद उचित वैधानिक कार्यवाही करने की बात कही जा रही है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने वालों पर सख्त कार्यवाही करें
पुलिस प्रशासन-पीड़ित

पीडित लोकेश ठाकरे ने बताया कि शनिवार की रात करीब १०.३० बजे अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से बहेगांव की ओर जा रहे थे तभी जाम शराब दुकान के सामने सेलवा के दो व्यक्ति आये और गंदी गाली-गलौच करने लगे, जिन्हे मना करने पर उन्होने मोटरसाइकिल को धक्का देकर फरार हो गये, जिनका पीछे कर उन्हे रोककर समझाइश देकर मामले को शांत करवा दिया गया था। श्री ठाकरे ने बताया कि दोबारा फिर वे शराब दुकान के सामने चार व्यक्ति के साथआये और पुनः गाली-गलौच कर मुझे और मेरे भाई के साथ ईट-पत्थर से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। इस घटना में दोनों भाई घायल हुए है। वहीं मौके पर हमलावरों द्वारा मौके पर छोडी गई बाईक की भी पुलिस ने कोई जप्ती नही बनाई है, पुलिस प्रशासन मारपीट करने वालों पर कठोर कार्यवाही करें। घायल का मामा दिनेश तिलगे ने बताया कि मारपीट की घटना में दो सगे भाई घायल हो गये थे, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन कोई कार्यवाही नही की गई। इसी बीच हमलावर के परिजन समझौता करने आये, उनसे इलाज करवाने की बात कही गई लेकिन वे तैयार नही हुए और घायल नरेश की तबियत अधिक खराब होने पर उसे बालाघाट में भर्ती किया गया है। पुलिसकर्मी कार्यवाही करने से टाल-मटोल कर रही थी, १६ नवंबर को रिपोर्ट दर्ज की है, हमारी मांग है कि मारपीट करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करें।

नगपुरा के शास. उमावि. में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा जयंती (जनजातीय गौरव दिवस)





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ६ किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को महान क्रांतिकारी के जीवन और उनके योगदान से अवगत कराना था। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा बिरसा मुंडा के जीवन पर अपने विचार रखे गये तथा आकर्षक चित्रकला एवं रंगोली बनाई गई। वही रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा १२ वीं की कुमारी प्रेरणा मड़ावी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में कक्षा ९ वीं की छात्रा आयुष मड़ावी प्रथम स्थान पर रहे। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्राचार्य चंदपाल उके के द्वारा विद्यार्थियों को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी व जननायक बिरसा मुंडा (धरती आबा) के जीवन दर्शन, जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए उनके संघर्ष और उनके क्रांतिकारी विचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वही वक्ताओं ने विद्यार्थियों से कहा कि जननायक बिरसा मुंडा, जिन्हें 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है इसलिए सभी को उनके बताये मार्ग पर चलने का आव्हान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के प्राचार्य चंदपाल उके, शिक्षक सोमलाल बारेकर, पुखराज बरकडे, राजेंद्रकुमार मोहबे, श्रीमती शीतल बहेकार, मोनिका सोनबिरसे, प्रीति अमूले, अनुराधा ठहरवाल, देवेंद्र नगपुरे सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर उत्कृष्ट विद्यालय से निकाली गई रैली

नगर भ्रमण कर दिया देशहित का संदेश, विद्यार्थियों को बताई गई भगवान बिरसा मुंडा की गाथा





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी, जननायक और आदिवासियों के मसीहा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार क्षेत्र में 'जनजातीय गौरव दिवस' पूरी भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वही शासन के निर्देश पर यह कार्यक्रम तीन दिवस तक मनाया जा रहा है। इस दौरान उनके द्वारा जल, जंगल, जमीन और आदिवासियों के अस्तित्व की रक्षा के लिए दिये गये संपूर्ण बलिदान को याद कर नमन किया गया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। इसी कड़ी में सोमवार को नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा से एक आकर्षक झांकी के साथ विशाल रैली निकाली गई। यह रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर हाई स्कूल मार्ग स्थित शहीद बिरसा मुंडा चौक पहुंची।

शहीद बिरसा मुंडा चौक पर हुई विशेष पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

शहीद बिरसा मुंडा चौक पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सनत दुबे द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक आदिवासी गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित सभी का मन मोह लिया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात यह रैली पूरे नगर मुख्यालय का भ्रमण करते हुए वापस विद्यालय पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा द्वारा देशहित और समाज उत्थान के लिए किये गये ऐतिहासिक कार्यों से आमजन को अवगत कराना तथा युवाओं को उनके आदर्शों पर चलकर देश सेवा के लिए प्रेरित करना था। चर्चा में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्राचार्य सनत दुबे सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पांढरवानी मण्डई में गूंजी छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की धूम

सुप्रसिध्द गायिका आरू साहू की प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के अंतर्गत ग्राम पंचायत पांढरवानी में रविवार को आयोजित पारंपरिक पांढरवानी मण्डई इस वर्ष ऐतिहासिक और खेहद यादगार बन गई। छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी खुशबू और अपनी मधुर आवाज से देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान बना चुकीं सुप्रसिध्द लोकगीत गायिका आरू साहू के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यहां ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल छत्तीसगढ़ी धुनों पर झूम उठा। यह कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया एवं जनपद सदस्य दीपक कावरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करने के पश्चात कलाकारों का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द गायिका आरू साहू ने एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी लोकगीत, जस गीतों सहित अन्य गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। उनकी सुमधुर आवाज और करिश्मा प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं इस दौरान पांढरवानी और आसपास के दर्जनों ग्रामीण अंचलों से आये कला प्रेमियों में आरू साहू के गीतों को सुनने के लिए भारी उत्सुकता और उत्साह देखा गया। जैसे ही मंच पर आरू साहू ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों और पारंपरिक जस गीतों की प्रस्तुतियां दी, पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस आयोजन ने न केवल पारंपरिक मेले की रौनक में चार चांद लगाये, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और लोक कला को एक भव्य और सशक्त मंच भी प्रदान किया। आयोजन की सफलता पर मंडई समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमियों, कला प्रेमियों और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिनके सहयोग से यह मण्डई ऐतिहासिक रूप से सफल हो सकी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

बेलगांव में अंचल के माटी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बेलगांव में सार्वजनिक मंडई समिति के तत्वाधान में १७ नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति बेलगांव अध्यक्ष रामेश्वर बाहेश्वर ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए १७ नवंबर को रात ९ बजे से अंचल के माटी छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक पचरंगी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें गायक-गायिका एवं साथी कलाकारों के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। उक्त कार्यक्रम सरपंच अरविंद पंचेश्वर के मुख्य आतिथ्य एवं बलराम सिंघई, हुकुमचंद गाड़ेश्वर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई समिति बेलगांव के अध्यक्ष रामेश्वर बाहेश्वर, सचिव सुरेश माने, उपाध्यक्ष यदुराम पंचेश्वर, विस्तेराम बाहेश्वर, कोषाध्यक्ष पन्नालाल पंचेश्वर, सहसचिव तिलक सिंघई, राजा सिंघई, संरक्षक सावनलाल गाड़ेश्वर, गोकुल बाहेश्वर, बेनीराम माने, खेमन माने, दीपक बाहेश्वर, रामदास माने, राजेश सिंघनदुपे, मेहतर माते, संतोष बोरकर, विजेन्द्र राणा, विजय पंचेश्वर सहित



रामपायली पुलिस ने तीन नाबालिग अपहर्ताओं को किया दस्तयाब , परिजनों के सुपुर्द किया

तीन अलग अलग अपराधों में दर्ज थी गुमशुदगी और अपहरण की रिपोर्ट

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस ने १६ नवंबर को थाना क्षेत्र में दर्ज तीन अलग अलग अपहरण के मामलों में सफलता हासिल करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब किया है। पुलिस ने तीनों बालिकाओं को थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों के सार्वजनिक स्थानों से तलाश कर सुरक्षित थाना लाया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया एवं बयान दर्ज कराने के बाद उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही न्यायालय में होने वाले कथनों के संबंध में भी परिजनों को जानकारी देकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में लगातार सामने आ रही अपहरण की घटनाओं तथा नाबालिग एवं बालिग बालक बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों को देखते हुए जिला पुलिस द्वारा इन प्रकरणों को गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देश पर गुमशुदा एवं अपहृत बालक बालिकाओं की शीघ्र तलाश कर उन्हें सुरक्षित दस्तयाब करने के लिए, विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना रामपायली में नाबालिग बालिकाओं की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। यह टीम एसडीओपी वारासिवनी एवं थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनेकर के नेतृत्व में लगातार पतासाजी कर रही थी। पुलिस के द्वारा संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाने के साथ ही बालिकाओं की गतिविधियों के संबंध में



सूचनाएं एकत्रित की जा रही थीं। इसी दौरान १६ नवंबर को पुलिस टीम को तीनों बालिकाओं के अलग अलग स्थानों पर मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार अपराध क्रमांक १७०/२६ की अपहर्ता ग्राम महेटोली के मड़ई चौक पर मौजूद थी। वहीं अपराध क्रमांक २२६/२६ की अपहर्ता ग्राम बघोली के हीरापोला में होने की सूचना मिली, जबकि अपराध क्रमांक ३३५/२६ की अपहर्ता रेंगाझरी से रामपायली की ओर आने की जानकारी पुलिस को प्राप्त हुई। तीनों बालिकाओं के संबंध में सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए अलग अलग स्थानों पर दबिश दी और तीनों को ग्रामों के सार्वजनिक स्थानों से दस्तयाब कर थाना रामपायली लाया गया। वहां महिला पुलिस अधिकारियों के द्वारा बालिकाओं से चर्चा कर उनके घर से बाहर जाने के कारणों एवं परिस्थितियों की जानकारी ली गई। प्रारंभिक बातचीत में बालिकाओं ने घर में होने वाले विभिन्न कार्यों, पढ़ाई तथा अन्य कारणों से परेशान होकर स्वयं घर से निकलने की बात बताई। हालांकि घर से निकलने के बाद वे कहां कहां रही इस संबंध में फिलहाल स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस के द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद पुलिस ने तीनों बालिकाओं के परिजनों को सूचना देकर थाने बुलाया और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १८३ के अंतर्गत न्यायालय में दर्ज होने वाले कथनों की जानकारी भी परिजनों को दी गई तथा निर्धारित समय पर न्यायालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। इस कार्यवाही में टीम प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनेकर, उपनिरीक्षक कलराम उइके, सहायक उपनिरीक्षक महलसिंह धुर्वे, आरक्षक आलोक विसेन, अंकित राजपूत, अजय नामदेव, मनीषा साहू, नरोत्तम, छाया बघेल का सराहनीय योगदान रहा।

आलेझरी और डोके में धरती आबा बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई

आदिवासी भाई बहनों को नहीं मिल रहा उनका अधिकार-विवेक पटेल

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को १५० वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ग्राम पंचायत आलेझरी, डोके और खड़कपुर पहुंचे। वहां समिति के पदाधिकारियों ने विधायक विवेक पटेल का स्वागत किया। तत्पश्चात विधायक विवेक पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, ईश्वलाल परते, रूपेंद्र सोनेकर, राजकुमार चौधरी, अविनाश राजपूत, संतोष उइके, खुमेंद महावी, पवनलाल वरकड़े, रूपेंद मरकाम, शिवाजी पुंजाम, मानसिंह उइके, बबलू सोनी, मानिक मर्सकोल, गणेश मड़ावी, राकेश उइके, गणेश कुंभरे, लोकमत इनवाती, जवाहर वट्टी, प्रशांत टेकाम, राधेलाल मडावी, भगत उइके, रमेश पुंजाम सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने कहा कि आदिवासी समाज ने भारत के इतिहास में जो योगदान दिया है उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अंग्रेजों के दमन के दौर में जनवासी वीरों ने निर्भीक होकर संघर्ष किया। जनजाति समाज सदैव वीरता, साहस और राष्ट्रभर्व का प्रतीक रहा है। मुगलों से लेकर अंग्रेजों तक के संघर्षों में जनजाति योद्धाओं ने तीर कमान के बल पर दुश्मनों को पीछे हटाया। मगर अब हमारे आदिवासी भाई,बहनों को उनके अधिकारों का हक नहीं मिल रहा है केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार जंगलों का सफाया कर आदिवासीयों का मकान तोड़ा जा रहा है, उनकी जमीन छीनी जा रही है। उनकी कोई बातों को नहीं सुन रहा





है शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में उन्हें कोई लाभ नहीं मिल रहा है। वहीं विधायक विवेक पटेल ने जनजाति समाज से शिक्षा,राजनीति और नेतृत्व के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल ने मनाया अन्नकूट महोत्सव

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल ने दिवाली मिलन व अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के तहत समाज की महिलाओं ने मारवाडी घूमर नृत्य आदि को प्रदर्शित कर अपनी प्रतिभा का परिचय कराकर सभी को प्रभावित किया।





वहीं भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाकर महाप्रसाद भी ग्रहण किया। नगर में सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल ने पहले भी सांस्कृतिक धरोहर और पहचान को जीवित रखते हुये गणगौर, तीज आदि पर्वों को सामूहिक रूप से मनाकर अपनी विशेष पहचान कायम रखी है। यही विशेष पहचान आज दिवाली मिलन और अन्नकूट महोत्सव में भी देखी गयी है। इस दौरान संरक्षक पंडित जुगलकिशोर शर्मा, ,श्रीमती नंदकिशोर खंडेलवाल, एच पी शर्मा, ,श्रीमती राजेन्द्र खंडेलवाल, डॉ अशोक सुराना, भारती सुराना के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम के शानदार शुरुवात की गयी। कार्यक्रमों की श्रंखला में गणेश वंदना वेहद सुरीले स्वर में भार्गवी खंडेलवाल व अजय अग्रवाल के द्वारा प्रस्तुत की गयी। वहीं सरस्वती वंदना आशा खंडेलवाल के द्वारा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम की सफल बनाने में सुश्री किरण शर्मा, श्रीमती प्रियंका शर्मा, पुष्पा शर्मा, संगीता अग्रवाल, शोभा खंडेलवाल, यामिनी त्रिवेदी, भावना अग्रवाल , मनीषा शर्मा, नीतू चौहान, राधिका खंडेलवाल, सीमा खंडेलवाल, चारू शर्मा, नेहा खंडेलवाल, तुलसी शर्मा, राखी ,खंडेलवाल, प्रीति शर्मा, सरिता अग्रवाल,रेखा खंडेलवाल, पदम चौहान, आशा खंडेलवाल, सीमा जोशी,लक्ष्मी शर्मा,पदमा खंडेलवाल, आल्का खंडेलवाल,शिखा शर्मा,आरती शर्मा, नैनसी खंडेलवाल,प्रतिभा अग्रवाल, पाबवी खंडेलवाल, खुशबू शर्मा ,शेखर खंडेलवाल, गिरिष खंडेलवाल, जयदीप जोशी, चयन अग्रवाल का सराहनीय योगदान रहा।

राम भक्त महिला मंडल ने मनाई जलाराम बापा की जयंती

भजन कीर्तन के साथ हुआ महाप्रसादी का वितरण





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्रीराम मंदिर स्थित सभा कक्ष में १६ नवंबर को राम भक महिला मंडल के तत्वावधान में वीरपुर धाम के संत जलाराम बापा की जयंती श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महिला मंडल बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने जलाराम बापा का स्मरण कर पूजा अर्चना की। कार्यक्रम का शुभारंभ जलाराम बापा के छायाचित्र की स्थापना के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित महिला सदस्यों ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर आरती की। आरती के उपरांत भजन,कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि राम भक्त महिला मंडल के द्वारा पिछले ३५ वर्षों से निरंतर जलाराम बापा की जयंती का आयोजन किया जा रहा है। मंडल की सदस्या प्रतिवर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को यह धार्मिक आयोजन परंपरागत रूप से मनाती आ रही हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के माध्यम से महिला मंडल धार्मिक आस्था भक्ति और सामाजिक एकजुटता का संदेश दे रहा है। इस अवसर पर जलाराम बापा के जीवन उनकी लोकमान्यताओं और जनकल्याणकारी कार्यों पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित सदस्यों को उनके सेवा, समर्पण, परोपकार एवं मानव कल्याण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि जलाराम बापा ने अपना जीवन ऊरूलमंदों की सेवा और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित किया। उनकी सेवा भावना और परोपकार के आदर्श आज भी समाज को नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से जलाराम बापा के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने तथा सेवा और भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। धार्मिक श्रद्धा परंपरा और सामूहिक सहभागिता के साथ संपन्न इस आयोजन ने उपस्थित महिलाओं को आध्यात्मिक रूप से जोड़ा। श्रीमती सुषमा जोगी ने बताया कि हमारा राम भक्त महिला मंडल पिछले ३५ वर्षों से जलाराम बापा की जयंती हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष को सप्तमी को आयोजित करता रहा है। जिसमें इस वर्ष भी यह धार्मिक आयोजन किया गया है जिसमें विधि विधान से पूजा अर्चना कर भजन कीर्तन उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया जा रहा है। इनके धाम पर इस प्रकार माहप्रसादी वितरण लंबे समय से चल रहा है,हमारे द्वारा यहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया है जो निरंतर चलता रहेगा। वहीं लोगों को संदेश दिया जा रहा है कि वह लोक कल्याण और समाज उत्थान के लिए आगे आकर कार्य करें।

ग्रामीण अंचलों के सांस्कृतिक आयोजन लोक संस्कृति में भरते है नई ऊर्जा-प्रदीप जायसवाल





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण अंचलों की सांस्कृतिक परंपराओं धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व विधिवत बंजी उद्दीन जागरूकता क्लब के विभिन्न सदस्यों एवं नगर की आदीवासी पारंपरिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति हुई। नगर के पेंशनेरों में शामीन अंसारी की पहिचान के अनुरूप बंजी एवं भी सिद्धू काली जागरण का आयोजन किया गया। इस जागरण एवं उद्दीन जागरूकता में कामना की है कि भगवान बीरसा, माता रमलो एवं भी सिद्धूकाली की कृपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन एवं परंपरागत आयोजन हमारी आस्था और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के साथ ही बच्चों में आपसी प्रेम और एकजुटता को मजबूत करते हैं। नहीं थाना डोंगरी एवं क्षेत्रवार में आयोजित उद्दीनपट्टी लोकनृत्य जागरूकता में भी उद्दीन जागरूकता शामिल हुए। नहां उन्होंने शामीनी एवं आयोजन समिति के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सीमी विरासतों को टिम का की मेहनत और एकजन के बीच शामीन अंसारों में होने वाले ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समरांग्न के जाग नहीं उतरें और उनका का संरक्षण करते हैं। लोकनृत्य और सांस्कृतिकप्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर ग्रामीण जीवन में उत्साह का वातावरण बनता है, तथा आपसी प्रेम भाईचारा और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलता है। ग्राम पंचायतों के पांचों वीक में ग्राम पंचायत आयोजन समितियों के द्वारा आयोजित ग्राम पुजा एवं मंडई कार्यक्रम में उन्होंने सहभागिता की। उद्दीन जागरूकता ने सामाजिकों का स्वागत करते हुए कामना की कि माता डाकी का आशीर्वाद सभी परिवारों पर सदैव बना रहे तथा क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली आए। उन्होंने आयोजक समिति एवं उपस्थित श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं दीं। ग्राम को केवलारी में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूम धाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उद्दीन जागरूकता ने भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा की एकजुटता कला, खेल तथा युवा चेतना और जनीन के संरक्षण के माध्यम पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्ना मेला और उन्न बिरसा मुंडा के जयकारों से पूरा ग्राम गूंज उठा। ग्राम सरपंच श्री आशीकिता तुलसन सहायी कार्यक्रम में भी उद्दीन जागरूकता शामिल हुए। उन्होंने आयोजन में उपस्थित दर्शकों एवं आयोजकों से आयोजन सुरक्षाकता की कमा बनी को दीपावली एवं भाई दूज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में होने वाले ऐसे पारंपरिक आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि ये हमारी लोक संस्कृति परंपराओं और सामाजिक विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। इस दौरान विनोद बिसेन , श्रीमती पुष्पा बिसेन, श्रीमती पीसि मंडोरा टेम, विक्रम टेकाम,आत्माराम खडन,जगबंधु गजरे,कदम चौरिया, बिसेन एवं,पिंकेश पीसीकर, शोर, पगारे,पुकराज साहू, अमोरा सिंहा,रामसिंह ठाकुर,लोकेश बिसेन, राम ठाकरे, विनोद सिन्हारे, आकर्षक बरकडे, रोशनलाल नगपुरे,कापिल मेश्राम,महेश लिल्हारे, नरेन्द्र साहू,अविंद नगपुरे,किरण लोधी,सुरेश दमाके,गोविंद ठाकरे,सुनील बिसेन, कविता सोनेकर,अशोक मंडलेकर, ज्ञानसिंह कोर्चे,पीतिंद ठाकरे,गोकुलसिंह पवारी, पंढरीराम ठाकरे,नेतलाराम सोनवर्षे, आनंदराम पारधे उपस्थित रहे।

ग्राम बासी में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई

धरती आबा बिरसा मुंडा के विचारों से प्रेरणा लेने का दिवस है -गौरव पारधी

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बासी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा ग्राम के देवी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक पारधी ने उपस्थित जनजातीय समाज के बंधुओं एवं ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात की और सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक जयंती का आयोजन नहीं बल्कि पेड़ की रक्षा, जनजातीय विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षण, शासकीय योजनाओं और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अतुलनीय योगदान को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। पारधी आगे फरमाए





जनजाति समाजसेवक स्वतंत्रसेनानी और सांस्कृतिक पहचान को रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष अंग्रेजी शासन स्थापित आदिवासी इतिहास में स्वर्णिम स्थानीयम रहेगा। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने अपनी संस्कृति और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। विधायक पारधी ने कहा कि जनजातीय समाज की अपनी समृद्ध संस्कृति रीति रिवाज परंपराएं और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली प्रशंसी अनुपम पहिचान है। यहां के समाज की जनजातीय समाज अपनी परंपराओं लोककलाओं और सामाजिक एकजुटता को सहेजकर रखे हुए है। जनजातीय गौरव दिवस हमें अपनी जड़ों संस्कृति और पहचानों पर गर्व करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक इन विरासत को पहुंचाने की प्रेरणा देता है। जनजीवन में जनजातीय समाज के लोगों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

कैरियर हावर सेकेण्डरी स्कूल में गर्म वस्त्र सहित उपहार किये वितरित



यूपी में विपक्ष का सीट बंटवारा

जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश साल 2027 के आरंभ में होने वाले चुनाव की ओर बढ़ रहा है, विपक्ष के भीतर सीटों के बंटवारे पर वही पुरानी खींच-तान शुरू हो गयी है। लोकसभा चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच एक समझदारी बनी थी, जिससे राज्य की सीटों का अच्छा खासा हिस्सा उनकी झोली में आया था। लेकिन बताया जा रहा है कि कांग्रेस अब 181 सीटों मांग रही है, जो कुल 403 विधानसभा क्षेत्रों का तकरीबन 45 फीसदी है। यह उस दुविधा का तात्कालीन उदाहरण है, जिससे कांग्रेस गुजर रही है। खासकर, उन राज्यों में जहां वह हाशिए पर पहुंच चुकी है और अपना पुनरुत्थान चाहती है- कैसे भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ गठबंधन को कमजोर किए बिना, अपने अपेक्षाकृत मजबूत सहयोगियों से अपने लिए फायदेमंद सौदेबाजी की जाए। यह देखते हुए कि भाजपा - जो अब भी दलीय व्यवस्था में दबदबे की स्थिति में है- के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है, विपक्ष को परिस्थितियां अपने अनुकूल लग रही हैं और इसके प्रमुख दल इस बात पर सहमत हैं कि भाजपा का मुकाबला करने का इकलौता तरीका एक ऐसा शक्तिशाली गठबंधन बनाना है, जिसका एक प्रबल और एकजुट संदेश हो। लेकिन हिंदी पट्टी और उन राज्यों में, जहां कभी कांग्रेस का बोलबाला हुआ करता था, खुद को दोबारा खड़ा करने की उसकी कोशिशों से गठबंधन की एकता दबावग्रस्त हो गयी है। बिहार में, महागठबंधन जनता दल (यूनाइटेड)-भाजपा गठबंधन के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर की फसल काटने में नाकाम रहा, आंशिक रूप से इसलिए कि वह राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के पीछे मौजूद सामाजिक ताकतों का पूरा समर्थन नहीं जुटा सका और आंशिक रूप से इसलिए भी कि कांग्रेस ने सीट बंटवारे के निपटारे में इतना वक्त ले लिया कि चुनाव अभियान इकाकार नहीं हो पाये। तमिलनाडु में, कांग्रेस द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से और सीटों की मांग पर अड़ी रही और गठबंधन में देरी की, जबकि अंदरूनी कलह के कारण उसका चुनाव अभियान फीका रहा, जिसके चलते उसे, जिन सीटों पर वह लड़ी, सभी गठबंधन साझेदारों में सबसे कम वोट शेयर मिला।

उत्तर प्रदेश में भी इसी रास्ते पर चलने की जरूरत नहीं है। दरअसल 181 सीटों की मांग उस पाटी के लिए बहुत महत्वाकांक्षी है, जो साल 2022 में अपनी लड़ी 399 सीटों पर महज 2.33 फीसदी वोट पा सकी, जबकि सपा जिन 347 सीटों पर लड़ी उसमें से 111 पर जीत दर्ज की और 32 फीसदी वोट हासिल किये। कांग्रेस की यह बात वाजिब है कि तब से चीजें बदली हैं। साल 2024 में, सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 लोकसभा सीटें जीतीं। उन्हें 43.2 फीसदी वोट शेयर मिला जो भाजपा-नीत गठबंधन के 43.7 फीसदी से थोड़ा ही कम था। कांग्रेस ने जिन 17 सीटों पर लड़ा, उनमें से वह केवल छह सीटें जीत पायी, लेकिन इन छह पर उसका वोट शेयर 44.2 फीसदी रहा, जो सपा के 43.4 फीसदी से थोड़ा ज्यादा था। पार्टी यह दलील भी दे सकती है कि युवाओं की चिंताओं और भारत के चुनावी लोकतंत्र की दशा पर उसके राष्ट्रीय अभियानों ने उसे ज्यादा मांगने लायक ताकत दी है। लेकिन एक सक्षम राज्यव्यापी संगठन का अभाव बताता है कि 181 बहुत ज्यादा है। सपा सबसे मजबूत विपक्षी पार्टी बनी हुई है और उसने स्थानीय गोलबंदियों के जरिए बहुसंख्यकवादी भाजपा से मुकाबला करने के लिए पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों का एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार किया है। साल 2024 वाला बंदोबस्त, जिसमें कांग्रेस ने एक बटा पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था, एक ज्यादा मुनासिब मार्गदर्शक है। 100 के आसपास सुरक्षनित सीटों से चुनाव अभियान ज्यादा एकजुट बनेगा और सपा के साथ बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

दीवाली की आतिशबाजी ने बुझा दिए सैकड़ों घरों के चिराग

दिवाली पर देशभर में हुई आतिशबाजी और आगजनी की दुर्घटनाओं में कम से कम 24 से 30 लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों लोग झुलसकर घायल हुए हैं।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में पटाखों की चिंगारी, मिसफायर हुए रॉकेट और घरों में लगी भीषण आग के कारण जान-माल का भारी नुकसान हुआ।

आपको बता दें कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देश-विदेश में हिंदुओं का सबसे बड़ा त्यौहार दीवाली उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस दौरान लोगों ने जम कर ख्रीदार का आनंद लिया, खरीदारी की, मिठाइयों और उपहारों का आदान-प्रदान और सुख-समृद्धि के लिए मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट और मंदी के माहौल के बावजूद इस दीवाली पर खुदरा बाजार से लेकर दलाल स्ट्रीट तक चारों ओर धन की भारी बरसात हुई। धनतेरस पर देश में रिकार्ड 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक का खुदरा व्यापार हुआ जो गत वर्ष के 1 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले काफी अधिक है। शेयर बाजार में भी भारी उछाल देखा गया। धनतेरस के दिन 6 नवम्बर को सैंसेक्स 1718 अंक चढ़कर 81026 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

लेकिन दूसरे और इस बीच पटाखों की चिंगारी और शार्ट सर्किट आदि से आग लगने के कारण देश में भारी संख्या में हुए अग्निकांडों से जान-माल की भारी हानि अनेक घटनाएं सामने आई हैं जिनमें दर्जनों घरों के चिराग बुझ गए।

मध्य प्रदेश में दिवाली की रात कटनी जिले में एक तीन मंजिला इमारत और शिवनी में एक मकान में लगी भीषण आग से दोनों जगहों पर एक ही परिवार के 6-6 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा उज्जैन में भी एक घर में आग लगने से एक बुजुर्ग की जान चली गई।

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के येडशी गांव में एक दुकान और उसके ऊपर बने मकान में आग लगने और दम घुटने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं मुंबई में एक रिपोर्ट के अनुसार 6 से 9 नवंबर के बीच आतिशबाजी से आग लगने की करीब 200 घटनाएं दर्ज की गईं और मलाड में एक पटाखा दुकान में आग लगने से 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई।



दिल्ली मे नरेला की राजीव कॉलोनी में आतिशबाजी के दौरान एक भटकता हुआ रॉकेट 10 साल के बच्चे के सीने में जा लगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में जेब में रखे सुतली बम के फटने से एक किशोर की जान चली गई और फर्रुखाबाद में पटाखे का टुकड़ा गले में लगने से एक बच्चे की मौत हो गई। मेरठ में भी आतिशबाजी देखकर भागते समय गिरने से 5 साल के बच्चे की मौत हुई।

राजस्थान और ओडिशा। राजस्थान के पाली जिले में पटाखों की दुकान पर चिंगारी गिरने से लगी आग में दो लोगों की मौत हुई। ओडिशा के कटक में आतिशबाजी के बाद घर में गैस सिलेंडर फटने से 6 साल के बच्चे की जान चली गई।

आपको बता दें कि धाराशिव जिले (महाराष्ट्र) के येदशी गांव में किराने की दुकान में आतिशबाजी से भड़की आग दुकान की दूसरी मंजिल पर भी फैल गई और वहां सो रहे दुकानदार के परिवार के सभी 6 सदस्यों की मौत हो गई।

कटनी (मध्य प्रदेश) के बरही गांव में एक मकान में पटाखों की चिंगारी से आग लगने से पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी, बहू, उनकी 14 तथा 6 वर्ष की 2 पोतियों तथा 2 महीने के पोते की मौत हो गई। सिवानी (मध्य प्रदेश) जिले के छपारा कस्बे में भी एक व्यापारी के घर में पटाखों से आग लग जाने से परिवार के 6 सदस्यों की जल कर मौत हो गई।पाली (राजस्थान) के फालना गांव में सड़क पर फोड़े जा रहे पटाखों से एक पटाखों की दुकान में आग लग जाने से 2 लोगों की मौत तथा एक व्यक्ति गंभीर झुलस गया व उसके साथ वाली 2 दुकानें भी जल कर राख हो गईं। जालंधर (पंजाब) में दीवाली की रात पटाखे की चिंगारी से एक मकान को दूसरी मंजिल पर बने कमरे में भीषण आग लग गई और उसकी चपेट में आने से कमरे में मौजूद एक मरीज की मौत हो गई।

इसी दिन सुल्तानपुर लोधी, संगरूर, कोटकपूरा, मुक्तसर, मलोट तथा बटाला आदि के चंद गांवों में पटाखों से हुए अग्निकांडों से भारी सम्पत्ति नष्ट हो गई। कटक (ओडिशा) में सोमवार तड़के पटाखों की चिंगारी से एक मकान में लगी आग से एक बच्चे की मौत हो गई व 4 लोग झुलस गए। दिल्ली फायर सर्विस को दीवाली की रात ही आग लगने से संबंधित 250 से अधिक एमरजैंसी काल मिले। नरेला में पटाखे छोड़ने के दौरान एक 10 वर्षीय बच्चे के पैर में राकेट लगने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बिहार में पटना के एक स्टील गोदाम में पटाखों की चिंगारी से आग लगने से लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया तथा पटना के ही मनेर में पटाखे की चिंगारी से कबाड़ की एक दुकान में आग लग गई।

महाराष्ट्र में मुम्बई के डोंगरी तथा अन्य इलाकों में आग लगने से दर्जनों झुग्गी झोंपड़ियां जल गईं व अनेक बहुमंजिला इमारतें भी आग की चपेट में आ गईं। पुणे में पटाखों से आग लगने की कम से कम 63 घटनाएं हुईं।

हिमाचल प्रदेश में पटाखों से 50 जगह आग लगने से 37 लोग घायल हो गए, हरियाणा में भी पटाखों से आग लगने की 200 घटनाएं दर्ज हुई हैं जम्मू-कश्मीर में पटाखों से आग लगने की 60 से अधिक घटनाओं में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचा।

देश के बड़े शहरों में पटाखों से झुलसने और आग लगने की घटनाओं के कारण आपातकालीन सेवाओं पर भारी दबाव रहा।

तमिलनाडु में 1,116 घायल ए्र राज्य में आतिशबाजी से झुलसे लोगों का इलाज किया गया।

सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली 135 मामले सामने आए। खबरों के मुताबिक इनमें से 129 मरीज पटाखों से और 6 दीयों से झुलसे थे।

एम्स दिल्ली 42 मामले इनमें से 37 मामले पटाखों से जुड़े थे और घायलों में कई छोटे बच्चे शामिल थे।

दिल्ली फायर सर्विस 257 इमरजेंसी कुल कॉल में से 214 आग लगने से जुड़ी थीं और 24 सीधे तौर पर पटाखों के कारण हुईं।

गुजरात में 366 आग की घटनाएं राज्य में सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना अधिक आग लगने की घटनाएं और 62 झुलसने के मामले दर्ज हुए।

यूपी में गैर पुष्टि सूचनाएं एक हजार से ज्यादा छोटा बड़ा अग्निकांड की सामने आई है जिनमे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं उत्तर प्रदेश में इस साल दिवाली पर सौंधे आतिशबाजी के दौरान हुए हादसों में कम से कम 3 लोगों की मौत हुई है और दर्जनों लोग झुलसकर घायल हुए हैं।

हालांकि राज्य सरकार या पुलिस विभाग की ओर से पूरे प्रदेश का कोई एक समेकित सरकारी आंकड़ा जारी नहीं किया गया है, लेकिन जिला स्तर की खबरों के मुताबिक प्रदेश के कई जिलों में जान-माल का नुकसान हुआ है।

इस तरह के हालात में दीवाली पर अग्निकांडों से मौतें अत्यंत दुखद हैं जोकि ज्यादातर मामलों में लोगों की लापरवाही का ही परिणाम है। जरा सी सावधानी बरतने से ये घटनाएं टल सकती थीं और सैकड़ों परिवार जीवन भर के दुखद अहसास को टाला जा सकता था।

-मनोज कुमार अग्रवाल

प्रकाश के पर्व पर हिंसा का घोर अंधेरा

भारतीय समाज में आज भी सामूहिक शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान है। अधिकांश अपराध तो इसी प्रभाव में नियंत्रित हो जाते हैं। समय की गति के साथ साथ शनैःशनैः इस शक्ति का ह्रास हो रहा है। रिश्तेदारों, वरिष्ठ जनों एवम् परिचितों की आंखों का लिहाज समाप्त होता जा रहा है। समाज की शक्ति जब इस प्रकार क्षीण होने लगती है तब सोशल पुलिसिंग में प्राण फूंककर उसे सक्रिय करना अवश्यम्भावी हो जाता है। यह आंकड़ा भयभीत करने के लिए पर्याप्त है कि भारत में एक लाख लोगों की सुरक्षा हेतु लगभग 200 पुलिस अधिकारी ही स्वीकृत हैं। जबकि कई संख्या में पुलिस विभाग में पद रिक्त होने के कारण वास्तविक बल की उपलब्धता,स्वीकृत बल की तुलना में काफी कम है। एक तथ्यात्मक गणना यह भी है कि भारत में औसतन लगभग 645 से 650 नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व मात्र एक पुलिसकर्मी पर है। मध्य प्रदेश जैसे बड़े प्रांतों में यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से भी कम है। यह अत्यंत दुर्भाग्य का विषय है कि दीपावली के प्रकाश उत्सव जैसे सबसे पवित्र,शालीन,सुन्दर,मनोरम पर्व पर जो भाईचारा, सद्भावना के साथ आपसी मनमुटाव को विसरने का संदेश देता है। यह अवसर सभी के साथ हर्षोल्लास से इस पर्व को मनाने की प्रेरणा भी देता है। इसी पवित्र दिन जबलपुर जिले संत विनोबा भावे ने संस्काराधानी शब्द से अलंकृत किया है, की सड़कों को तत्वों ने खूनी संघर्ष कर रक्तरंजित कर दिया। जबलपुर के चमापुर,गोरखपुर,गौरी घाट एवं चरगवाँ थानान्तर्गत क्षेत्र में पांच हत्याएं की गई। जिस रात शहर की रोशनी से जगमगाना था, उस रात बेखौफ खून की होली खेली गई। कानून की रक्षक पुलिस लाचार नजर आ रही है। इस अव्यवस्था एवं दुर्दानता के मेरी समझ में प्रमुख चौंच कारण हैं - सामाजिक- सामूहिक शक्ति का क्षीण होना,वरिष्ठों की नजरों का लिहाज समाप्त होना, सामुदायिक पुलिसिंग का पुलिस द्वारा महत्व न समझना,पुलिस बल की कमी एवं उपलब्ध बल का निष्क्रिय प्राय होना। जहाँ एक ओर पुलिस बल लाचार एवं निष्क्रिय है वहीं दूसरी ओर पर्यवेक्षण की असक्षमता भी स्पष्ट दृष्टिगत है जो अत्यन्त चिंतनीय है। प्रश्न यह है कि जब इस पवित्र पर एवं सदियों से शांतिपूर्वक मनाये जाने वाले दीपावली पर्व पर भी समाज सुरक्षित नहीं है तो पुलिस के होने..ना होने के क्या मायने हैं ? मैंने पूर्व में भी लिखा था कि थानेदारों को अपने कार्यालय से बाहर निकलना होगा, उन्हें अपनी पदस्थापना को सौंदा नियुक्ति न समझकर मात्र कार्यकाल पूर्ण करने की औपचारिकता से ऊपर उठकर कार्य करना होगा। जोरो रिस्पॉन्स टाइम नियम को आत्मसात करना होगा। वरिष्ठ अधिकारियों को भी सुरक्षता से संबंधित पुलिस अधिकारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करना होगा। अन्यथा इस प्रकार की घटनाओं से पुलिस के प्रति असंतोष,रोष उत्पन्न होगा एवम् कालान्तर में यह सामूहिक भर्त्सना का कारण बनेगा। वर्षों के निरंतर कठिन प्रयासों एवम् न्यायसंगत प्रयोग व कठोर निर्णयों के परिणामतः यह शहर अपराधियों के भय से मुक्त हुआ है किंतु संस्काराधानी जबलपुर में एक बार पुनः निरंकुश अपराधियों के हाथों में अवैध कट्टे (फायर आर्म्स) व चटनदार चाकू चमक रहे हैं। ये तत्व कानून व्यवस्था को धता दिखाकर विम्बिदारों को चिढ़ा रहे हैं। विचारणीय यह है कि इन तत्वों के पास अवैध घातक सस्त्र आखिर आ कहाँ से रहे हैं ? इन शस्त्रों का स्रोत क्या है ? अनुसंधान में पुलिस का पतर दर पतर उस स्रोत तक पहुँचना भी अनिवार्य है। अत्यंत दुखित करने योग्य आश्चर्यजनक तथ्य यह भी है कि मेरे सहधर्मी अपने अन्य-धर्मी या पर-धर्मी सहजीवियों के आचरण से कोई सीख क्यों नहीं ले रहे ! वे सभी अन्य-धर्मी या पर-धर्मी भाई सम्मान एवम् बधाई के पात्र हैं कि वे अपने त्यौहारों पर कभी खून खराबा तो दूर वाद विवाद से भी परे रहते हैं। मुझे तो यह कहते हुए अत्यंत वेदना,पीड़ा एवं क्षोभ का अनुभव हो रहा है कि आतिशबाजी के शोर में पीड़ितों की चीखें दब गईं व इन घटनाओं से संस्काराधानी लहूलुहान हो गई। -पं.नरेश शर्मा

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है—जिस गाय को हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कृपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं की सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए।

इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं। पशु चिकित्सकों और स्वयंसेवी संस्थाओं को इस काम से जोड़ा जा सकता है। विद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से बच्चों तथा युवाओं में पशुओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा सकती है। गौवंश के संरक्षण को सामाजिक सहभागिता और सार्वजनिक जवाबदेही से जोड़ना होगा।

गायों की देखभाल का सवाल कृषि व्यवस्था से भी जुड़ा है। भारतीय गांवों में पशुधन और खेती का रिश्ता पुराना रहा है। गोबर का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता रहा है। पशुधन ग्रामीण परिवारों की आजीविका और कृषि की स्थिरता में योगदान देता है। लेकिन खेती की बदलती परिस्थितियों, छोटे होते जोत आकार, बढ़ती लागत और पशुपालन के व्यावसायीकरण ने इस रिश्ते को प्रभावित किया है। देशी गोवंश का संरक्षण जैव विविधता और कृषि की पारंपरिक समझ को बचाने से भी जुड़ा है। इसलिए गौसंरक्षण को केवल धार्मिक भावनाओं के दायरे में रखकर नहीं देखा जा सकता। इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, टिकाऊ कृषि, जैव विविधता और पशु कल्याण की व्यापक नीति से जोड़ना होगा।

गोपाष्टमी का वास्तविक संदेश करुणा, सेवा और जिम्मेदारी है। किसी पशु के प्रति सम्मान का अर्थ केवल उसकी पूजा करना नहीं, बल्कि उसके जीवन की आवश्यकताओं को समझना भी है। भूखी गाय को भोजन देना, बीमार पशु का इलाज कराना, घायल पशु को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना और गौशालाओं में बेहतर व्यवस्था के लिए जवाबदेही तय करना ही इस पर्व की भावना को सार्थक कर सकता है। देशी नस्लों को बचाना, चरागाहों को सुरक्षित रखना और बेसहारा पशुओं के पुनर्वास की व्यवस्था करना भी इसी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

यह भी समझना होगा कि पशु कल्याण किसी धर्म या समुदाय विशेष का विषय नहीं है। यह मानवीय संवेदना और सामाजिक नैतिकता का प्रश्न है। गाय हो या कोई अन्य पशु, उसके प्रति करुरता और उपेक्षा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। पशुओं के प्रति संवेदनशील समाज ही अपने भीतर करुणा और सह-अस्तित्व के मूल्यों को जीवित रख सकता है। धार्मिक आस्था तभी व्यापक सामाजिक अर्थ ग्रहण करती है, जब वह जीवों के प्रति व्यवहार में भी दिखाई दे।

गोपाष्टमी पर गाय के माथे पर तिलक लगाना अच्छी परंपरा है, लेकिन उससे बड़ा काम उसके जीवन को सुरक्षित बनाना है। फूलों की माला पहनाने से अधिक जरूरी है कि उसे भूखा न रहना पड़े। पूजा के दिन गुड़ खिलाने से अधिक महत्वपूर्ण है कि पूरे वर्ष उसे पर्याप्त चारा और स्वच्छ पानी मिले। देशी नस्लों के संरक्षण की चिंता, चरागाहों की रक्षा और गौशालाओं की जवाबदेही भी इस पर्व के संकल्प में शामिल होनी चाहिए। यदि गौशालाओं में गायें बीमार, भूखी और उपेक्षित रहें तथा देशी गोवंश के अस्तित्व पर संकट गहराता रहे तो हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक व्यवहार के बीच का विरोधाभास उजागर होता रहेगा।

इसलिए गोपाष्टमी केवल पूजा का पर्व बनकर न रह जाए। इसे गौवंश के अस्तित्व की रक्षा, देशी नस्लों के संरक्षण, गौशालाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा और पशु कल्याण की व्यवस्था को मजबूत करने का अवसर बनाया जाना चाहिए। गाय के प्रति श्रद्धा का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसके जीवन की रक्षा है। पूजा तभी सार्थक होगी, जब उसके साथ सेवा और संरक्षण का संकल्प भी पूरे वर्ष निभाया जाएगा।

-कुमार कृष्णन

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली। भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है। हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों की खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को इक्विटी ट्रांसफर के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा। चीन को इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी। यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

काहिरा। भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी लगी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।



हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई। आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त 2के साथ शुरुआत हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बीएसई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए वित्तियेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

मुंबई। म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है। यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एक्सिसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है। एम्फी के मुताबिक, ये फंड्स ग्रोथ और वैल्यू जैसे अलग-अलग निवेश रणनीतियों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए, इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड ग्रोथ और वैल्यू दोनों तरह की कंपनियों में निवेश करता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि रिस्कोमीटर पर इन तीनों स्कीम्स को बहुत अधिक जोखिम वाली कैटेगरी में रखा गया है।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज का दिन सामान्य रह सकता है, लेकिन आपको हर मामले में थोड़ी सावधानी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में आ सकता है और अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए सुख-सुविधाओं पर खर्च करने की इच्छा भी होगी। हालांकि, अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके लिए काफी मददगार साबित होगा।

वृषभ राशि-आज धैर्य और शांत व्यवहार ही आपको कई परेशानियों से बचा सकता है। हर मामले में अपनी राय देना या हर चर्चा का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। कई बार कम बोलना और परिस्थितियों को समझना ही सबसे बेहतर फैसला होता है। जरूरत से ज्यादा बोलने से कोई छोटी-सी बात अनावश्यक उलझन का रूप ले सकती है। यदि आप कहीं घूमने या लंबी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, तो फिलहाल उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि-आज जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण काम में आगे बढ़ने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करें। नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है और सामाजिक स्तर पर आपकी पहचान तथा प्रतिष्ठा में भी बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। हालांकि, पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़े कुछ मामले दोबारा सामने आ सकते हैं। ऐसे मामलों की टालने के बजाय समय रहते सुलझाने की कोशिश करें।

कर्क राशि-आज भाग्य आपका पूरा साथ देता नजर आएगा। आप जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी और अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी की नौकरी या करियर में तरक्की से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल बनेगा।

सिंह राशि-आज आर्थिक मामलों को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, क्योंकि गैरजरूरी खरीदारी आपकी बचत को प्रभावित कर सकती है। परिवार में शादी-विवाह या किसी मांगलिक आयोजन से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा।

कन्या राशि-आज दिनभर भागदौड़ और व्यस्तता बनी रह सकती है। कई काम एक साथ सामने आने से थोड़ी परेशानी होगी और कुछ जिम्मेदारियों में छोटी-मोटी रुकावटें भी आ सकती हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव के कारण थकान या कमजोरी महसूस हो सकती है, इसलिए अपनी क्षमता से अधिक काम का बोझ न लें। बीच-बीच में आराम करना भी जरूरी होगा। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ सकती है और पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

तुला राशि-आज सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के बल पर आप कई महत्वपूर्ण कामों को आगे बढ़ा पाएंगे। नए लोगों से संपर्क बनने की संभावना है और आपकी पहचान का दायरा भी बढ़ सकता है। हालांकि, हर नए परिचित को तुरंत अपना शुभचिंतक समझने की भूल न करें। लोगों की समझने और उन पर भरोसा करने में थोड़ा समय दें।

वृश्चिक राशि-आज आर्थिक लाभ मिलने के मजबूत संकेत हैं और आपकी वित्तीय स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हो सकती है। लंबे समय से अटके हुए कामों को पूरा करने में सफलता मिलने की संभावना है, जिससे मन को राहत मिलेगी। किसी बाहरी मामले को लेकर आप परेशान थे, तो किसी अनुभवी और सही व्यक्ति की सलाह मिलने से आगे का रास्ता साफ हो सकता है।

धनु राशि-आज आपके सामने उन्नति के नए रास्ते खुल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम भी बन सकता है। इससे आपसी संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और व्यस्त दिनचर्या से राहत मिलेगी। हालांकि, घर के जरूरी कामों को नजरअंदाज न करें।

मकर राशि-आज आप अपने कामकाज और जरूरी जिम्मेदारियों में काफी व्यस्त रह सकते हैं। कई काम एक साथ सामने आने के बावजूद आप परिवार के लिए समय निकालने का प्रयास करेंगे। संतान पढ़ाई के मामले में कुछ लापरवाही कर सकती है, इसलिए उसे डांटने के बजाय प्यार से समझाना बेहतर रहेगा। उसकी पढ़ाई और दिनचर्या पर थोड़ा ध्यान दें।

कुंभ राशि-आज का दिन राजनीति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए विशेष रूप से अनुकूल हो सकता है। आपकी पहचान, प्रभाव और लोगों के बीच पकड़ मजबूत होने के संकेत हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भूमिका बढ़ सकती है और लोगों का सहयोग भी प्राप्त होगा। जीवनसाथी नई नौकरी या करियर में बदलाव के लिए कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करें और जरूरत पड़ने पर सहयोग दें। पारिवारिक मामलों में बातचीत करते समय संयम बनाए रखना जरूरी होगा, क्योंकि गलत शब्द या जल्दबाजी में दी गई प्रतिक्रिया तनाव पैदा कर सकती है।

शब्दजाल - 8452

सा	द	गा	घ्रि	ग	म	हे	श	भू	प	ति	
दें	वि	ल	क	श्व	तें	अं	जु	जों	ज्ञ	इ	
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	क्ष	क	
ध	न	रा	ज	पि	छ्वे	ब	र	ल	ह	गो	
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ज	इ	पी	
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	हा	नं	घ	तं	
ज	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द	
क	हा	ग	र	मे	ग	क	फ	या	ह	फु	
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले	
क	र	ल	खा	व	टि	ना	वि	ओ	प	ला	
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या	

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम हैंहिंदी नाम ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर एवं तिरछे भी हैं.

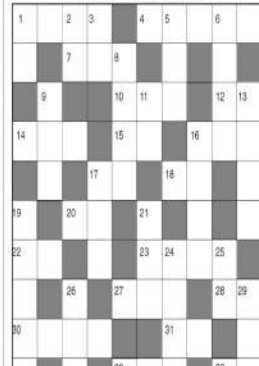
साविया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया,गोपीचंद पुलेला, विश्वनाथन आनंद, श्रीशांत, ज़हीर खान, महेश भूपति.

शब्दजाल - 8451 का हल

स	स	[अ	म	ती	न]	ष	चु	ब	ए	ड	
ड	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	
ब	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज	

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7386



ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानें चाँदनी रातें' गीत वाली संवेद्य, शशि, विद्याविद्या, चिंतिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं प्यार किया फ़ाल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाज़ुक दीन ये' गीत वाली अभिनेत्र, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. विनोद मेहरा, ईनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी आग' गीत वाली फिल्म-३
५. 'ये कैसा एक बंधन' गीत वाली सुनीलदत्त, किरण, प्रमिला की फिल्म-२,२
६. अभिषेक, पावीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
७. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
८. अभिषेक, रानीमुकर्जी, पंकिंद, किसी की 'क्या पिक्की पिक्की' गीत वाली फिल्म-२
९. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली मनी देसाई, हिम्मत की फिल्म-४
१०. संजीवकुमार, मुलतथा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
११. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राकेश रोशन, फिरोज़, हामिद की फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,३
१३. 'अो गुड़िया अो बाबा' गीत वाली संजयदत्त, फराह की फिल्म-३
१४. अनिल धवन, रेखा की 'दिल चैचैन हुआ हम किं' गीत वाली फिल्म-२,२
१५. 'इस दो दिल की पीं' गीत वाली फिल्म-२
१६. ऋषिकपूर, शशिकपूर, दिव्या की फिल्म-३
१७. अक्षय, सैफ, स्वीना, सोनाली की फिल्म-३

बायें से दाएँ:-

१. 'इश्क कभी कीजिये ना' गीत वाली फिल्म-४
२. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली फर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
३. गुलशन, दीपक तिवारी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. 'जो तुमसे यो वादें' गीत वाली ट्रम्पान हाशमी, उर्दिता, शमिता की फिल्म-३
५. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
६. 'मोगो ने मोगो में' गीत वाली फर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
७. अभिषेक, वैकी, कैटीना, सोफ की 'नचन दे यार' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आँखों में तू होवें में तू' गीत वाली विमी शेरीगिल, शेहाज की फिल्म-३
९. स्मरी, अनुल अग्निहोत्री की 'यंद होवें से वो' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'पहली बरिश में और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
११. संजय, इदर, ममोथ की 'अो पेरी तू कहाँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'पिंल बिन तेरा हो सवारा' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-३
१३. संजादत, माधुरी, की 'टाका रे टाका' गीत वाली फिल्म-४
१४. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
१५. सलमान खान, रेखा की 'मुन रब कीतेने मुन बना' गीतवाली फिल्म-२
१७. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, रानी की फिल्म-४
१८. 'खत प्रेमगरा आएगा बाला अे' गीत वाली फिल्म-२
१९. अयबकुमार, सुनील शेट्टी, काजिमा, सोनाली की फिल्म-३
२१. नना, अजय, फरीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

शब्द पहेली - 8910



बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. प्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बर्सत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मविलापानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. समराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. ईप, ईर्ष्या-4
8. तमींज, तहजीब-3
10. सँघमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती (उर्दू-2)

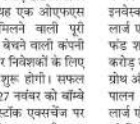
शब्द पहेली -8909 का हल

■	■	ल	ग	■	ह	म	र	ज
व	■	■	ह	ह	ब	■	■	क
ज	■	श	त	■	ल	ल	■	र
ल	व	क	र	ण	■	क	ी	ल
■	ि	■	ल	■	ध	■	ब	■
अ	ल	■	ग	ज	ज	र	■	व
ग	■	ह	र	■	ी	ल	■	ध
ज	■	ज	ग	र	■	■	■	■
क	ल	ध	ा	■	क	ल	ल	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



मंगलवार 2026 वर्ष का 321 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ज्ञात शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास अगहन पक्ष शुक्ल
तिथि अहमी 06.06 चले सो समाप्त।
नक्षत्र पनिश्ता 04.35 चले प्रातः को समाप्त। योग धृति 07.54 चले सो समाप्त। करण विष्टि 12.18 चले तदनन्तर बव 06.06 चले को समाप्त।

ग्रह	स्थिति		स्थानीय समय
सूर्य	तुला में	सूर्योदय	06.17 ब.मी
चंद्र	वृश्चिक में	सूर्यास्त	05.38 सा.मी
मंगल	सिंह में	चन्द्रोदय	10.38 रात्रि
बुध	तुला में	चन्द्रास्त	12.24 चले सो
गुरु	सिंह में	सूर्योदय	13.57 चले सो
शुक्र	कन्या में	सूर्यास्त	15.26 चले सो
शनि	मीन में	चन्द्रोदय	19.06 चले सो
राहु	कुंभ में	चन्द्रास्त	19.06 चले सो
केतु	सिंह में		23.19 चले सो

राहुकाल 3.00 से 4.30 चले तक

करण	01.47 चले सो
मुहूर्त	08.58 चले सो

चन्द्रमास	2077
सौर मास	08
सृष्टि संवत	1955885129
कलियुगादि संवत	5128
सप्तर्षि संवत	5118
युधिष्ठिर संवत	5077
विक्रम संवत	2083
शक संवत	1948
गुलाबी जमादि उस्सानी	तारीख 06
विशेष	धार्मिक पुर्णिमा, लक्ष्मी लक्ष्मीधन राज अभिलाषा दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06.53 से 07.22 चले तक	काल	06.42 से 07.13 चले तक
उद्वेग	07.22 से 08.15 चले तक	लाभ	07.13 से 08.45 चले तक
चर	08.15 से 10.19 चले तक	उद्वेग	08.45 से 10.16 चले तक
लाभ	10.19 से 11.46 चले तक	शुभ	10.16 से 11.48 चले तक
अमृत	11.46 से 01.16 चले तक	अमृत	11.48 से 01.19 चले तक
काल	01.16 से 02.45 चले तक	चर	01.19 से 02.51 चले तक
शुभ	02.45 से 04.13 चले तक	रोग	02.51 से 04.22 चले तक
रोग	04.13 से 05.42 चले तक	उद्वेग	04.22 से 05.54 चले तक

चौघड़िया मुहूर्तादान- शुभ्योग शेष शुभ, अमृत व लाभ, सर्वत्र शुभ, अमृत उत्तरा, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा स्थिति के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सही चुनाव

एक राजा को अपने दरबार के किसी उत्तरदायित्वपूर्ण पद के लिए योग्य और विश्वासनीय व्यक्ति की तलाश थी। उसने अपने आस-पास के लोगों को परखना शुरू किया। लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाया। तभी एक सलाहकार ने पदार्थण हुआ, जो इसी शहर बदा-बदा अतीत बनकर सम्मानित हुआ करते थे। युवा राजा ने वयोवृद्ध उत्सायी के सम्मुख अपने मन की बात प्रकट की - 'मैं तय नहीं कर पा रहा हूँ। अनेक लोगों पर मेरे विचार किया। अब मेरी दृष्टि में दो हैं, इन्हीं दोनों में से एक को रखना चाहता हूँ।' 'कौन हैं वे दोनों?' 'एक तो राज परिवार से ही संबंधित है, पर दूसरा बाहर का है। उसका पिता पहले हमारा सेवक हुआ करता था, उसका देहांत हो गया है। उसका यह बेटा पढ़-लिखा सुयोग्य है।' 'और राज परिवार से संबंधित युवक? उसकी योग्यता 'मामूली है।' 'आपका मन किसके पक्ष में है?' 'मेरे मन में द्वंद्व है, स्वामी!' 'किस बात को लेकर?' 'राज परिवार का रिश्तेदार कम योग्य होने पर भी अच्छा है, और. . .' 'राजन! रोग शरीर में उपजता है तो वह भी अच्छा ही होता है, पर उसका उपचार जंगलों और पहाड़ों पर उगने वाली जड़ी-बूटियों से किया जाता है। ये चीजें अपनी नहीं होकर भी हितकर होती हैं।' राजा की आँखों के आगे से धुंध छँट गई। उसने लिपेड़ा लेकर सही आदमी को चुन लिया।

सूडोकु नवताल- 7695

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
	3			7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7694 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
6	3	2	1	4	8	7

खेल मैदान में दिखा बच्चों का दमखम, बाल दिवस पर बांटी चॉकलेट

पाली अकादमिक संस्थान में दो दिवसीय वार्षिक खेल समारोह का आयोजन, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल में सदनों के बीच हुई रोमांचक भिड़ंत





पद्मेश न्यूज। लांजी। पाली अकादमिक संस्थान (सीबीएसई), बिसोनी में 13 एवं 14 नवंबर को वार्षिक खेल दिवस एवं बाल दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन में नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पृथ्वी, अग्नि, वायु और गगन सदनों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि प्रखर देशना कैरियर एंड वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला भीमटे तथा विशिष्ट अतिथि पालक शिक्षक संघ की उपाध्यक्ष श्रीमती समिता चन्द्रिकापुरे उपस्थित रहीं। खेल प्रतियोगिताओं में नन्हे विद्यार्थियों के लिए म्यूजिकल चेयर और दौड़ जैसी मनोरंजक स्पर्धाएं आयोजित की गईं। वहीं कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और 100 मीटर दौड़ में दमखम दिखाया।

इन सदनों ने मारी बाजी

प्रतियोगिताओं के परिणामों में प्राथमिक विभाग की कक्षा पहली एवं दूसरी की म्यूजिकल चेयर के बालक वर्ग में पृथ्वी सदन प्रथम, पृथ्वी सदन द्वितीय और गगन सदन तृतीय रहा। बालिका वर्ग में पृथ्वी सदन प्रथम, अग्नि सदन द्वितीय और गगन सदन तृतीय स्थान पर रहा। कक्षा तीसरी एवं चौथी के बालक वर्ग में वायु सदन प्रथम, अग्नि सदन द्वितीय और गगन सदन तृतीय रहा, जबकि बालिका वर्ग में गगन सदन प्रथम तथा अग्नि सदन द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहा। सीनियर वर्ग की कबड्डी के बालक वर्ग में पृथ्वी सदन विजेता और गगन सदन उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में गगन सदन ने बाजी मारी, जबकि पृथ्वी सदन उपविजेता रहा। खोलीबॉल बालक वर्ग में गगन सदन विजेता और वायु सदन उपविजेता बना। खो-खो के बालक वर्ग में अग्नि सदन तथा बालिका वर्ग में पृथ्वी सदन विजेता रहा। बैडमिंटन के बालक वर्ग में अग्नि सदन और बालिका वर्ग में गगन सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया। 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में गगन सदन प्रथम, पृथ्वी सदन द्वितीय और वायु सदन तृतीय रहा। बालिका वर्ग में भी गगन सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पृथ्वी सदन द्वितीय और अग्नि सदन तृतीय स्थान पर रहा।

चॉकलेट पाकर खिले बच्चों के चेहरे

14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए चॉकलेट वितरित की। चॉकलेट पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती समिता चन्द्रिकापुरे ने विद्यार्थियों के अनुशासन और खेल प्रतिभा की सराहना की। संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य, प्रबंधक श्री संजय चौर एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांडा ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। अंत में प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांडा ने अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान से विद्यार्थियों ने ली प्रेरणा

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लांजी में 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने उनके जीवन, संघर्ष और देश की आजादी में दिए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने



अंग्रेजो हुकूमत और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज को संगठित कर उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका संघर्ष केवल अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन पर अधिकार, आदिवासी संस्कृति, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का भी प्रतीक था। वक्ताओं ने बताया कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अपने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता से जनजातीय समाज में नई चेतना जागृत की। उनका जीवन आज भी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, सामाजिक एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों और जनजातीय नायकों के इतिहास को जानना युवा पीढ़ी के लिए जरूरी है। आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ शिक्षा, समानता एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना ही महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। अंत में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार ने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लिया।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में जनजातीय गौरव दिवस एवं तीन दिवसीय आयोजन का भव्य समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में महान





स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का 16 नवंबर को भव्य समापन हुआ। 14 से 16 नवंबर 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जनजातीय संस्कृति, परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास, उनके संघर्ष, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराना था। आयोजन के प्रथम दिवस 14 नवंबर को चित्रकला, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन, कालिकारी संघर्ष, उलगुलान आंदोलन तथा जनजातीय संस्कृति की अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से प्रस्तुत किया। द्वितीय दिवस 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वक्ताओं ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष एवं उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। तृतीय एवं समापन दिवस 16 नवंबर को विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक एवं आधुनिक जनजातीय लोकनृत्य, लघु नाटक, देशभक्ति गीत एवं आकर्षक रंगोली प्रतियोगिताओं की प्रस्तुतियां दी गईं। इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जनजातीय परंपराओं, संस्कृति एवं देशभक्ति की भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीतमा कठने एवं वरिष्ठ शिक्षक डॉ. कांता वर्मा के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी एवं समन्वयक श्री मोहन ढोके, डॉ. सपना शेंडे, श्री भागवत रघुवंशी एवं श्री शुभम रामटेके का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर श्री गोहर कुमार तलवारे, श्री सुरेंद्र कुमार चिखले, श्री शेखर दिजेवाल, श्री रितेश सोनवाने, सुश्री अंकली सोनी, श्रीमती स्वाती पशीने, श्री नितेश मेश्राम, डॉ. ललित कामडे, डॉ. जसपाल सिंह सिद्धू एवं श्री योगेंद्र वलने सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। तीन दिवसीय आयोजन के समापन पर सभी प्रतिभागियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उनमें देशभक्ति, सामाजिक चेतना तथा जनजातीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की दिशा में प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

मंडई मेलों में शराब की कथित अवैध आपूर्ति, विभागीय निगरानी पर उठे सवाल

ग्रामीण क्षेत्रों में घरों तक पहुंचाई जा रही शराब, कहीं अधिक तो कहीं कम दाम पर बिक्री की शिकायतें; गुणवत्ता की जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। मंडई मेलों में उमड़ रही भीड़ के बीच शराब की बिक्री और खपत को लेकर लांजी क्षेत्र में कई गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की उपलब्धता इतनी आसान होने की चर्चा है कि अब दुकान तक जाने की जरूरत नहीं, कथित तौर पर शराब घर तक पहुंचाई जा रही है। दिन में मोटरसाइकिलों और रात में चारपहिया वाहनों से शराब पहुंचाए जाने की जानकारी स्थानीय सूत्रों से मिल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि शराब की इस कथित आपूर्ति पर आबकारी विभाग की नजर क्यों नहीं पड़ रही है और आखिर किसकी निगरानी में यह व्यवस्था संचालित हो रही है? सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में शराब ठेकेदारों से जुड़े लोगों द्वारा पैकारों को शराब उपलब्ध कराई जा रही है। बताया जा रहा है कि मंडई मेलों के दौरान ग्रामीण इलाकों में शराब की मांग बढ़ने के साथ इसकी आपूर्ति भी तेज हो जाती है। यदि यह जानकारी सही है तो संबंधित ठेकेदारों और पैकारों की भूमिका की जांच होना जरूरी है। आखिर लाइसेंस प्राप्त दुकानों से शराब निर्धारित स्थानों पर ही बेची जानी चाहिए, फिर ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह आपूर्ति कैसे हो रही है?

एक ही क्षेत्र में शराब के अलग-अलग दाम, आखिर किसके नियम से हो रही बिक्री?

शराब की कीमतों को लेकर भी कई तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं। क्षेत्र





की कुछ दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक तो कहीं प्रिंट मूल्य से भी कम कीमत पर शराब बेचे जाने की बात कही जा रही है। एक ही क्षेत्र में शराब की कीमतों में इस तरह का अंतर समझ से परे है। यदि निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली हो रही है तो उपभोक्ताओं के हितों की जिम्मेदारी कौन लेगा? वहीं प्रिंट मूल्य से कम दर पर बिक्री के पीछे क्या कारण हैं, इसकी भी विभागीय जांच होनी चाहिए।

मंडई मेलों के दौरान शराब सेवन के बाद लोगों के सड़क पर पड़े मिलने की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ व्यक्ति अंग्रेजी शराब और बीयर का सेवन करने के बाद इस कदर नशे में दिखाई देते हैं कि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने तक का होश नहीं रहता। सामान्य से अधिक नशे की इन घटनाओं के बाद शराब की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि केवल नशे की तीव्रता के आधार पर मिलावट की पुष्टि नहीं की जा सकती, लेकिन संबंधित दुकानों से शराब के नमूने लेकर उनकी जांच कराना जरूरी है।

प्रदेश के दूसरे जिलों की घटनाओं से भी नहीं लिया जा रहा सबक?

प्रदेश के अन्य जिलों में कथित रूप से सस्ती और संदिग्ध शराब को लेकर सामने आई घटनाओं के मद्देनजर बालाघाट जिले में भी सतर्कता बरतना आवश्यक है। यदि यहां भी बिना जांच के सस्ती शराब की बिक्री और अनधिकृत आपूर्ति की शिकायतें सामने आ रही हैं तो इन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। किसी अप्रिय घटना के बाद जांच शुरू करने के बजाय पहले ही शराब की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की पड़ताल की जानी चाहिए। वहीं जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग महुआ लाहन और कच्ची शराब नष्ट करने और पकड़ने में व्यस्त है परंतु क्षेत्र की शराब दुकानों की बिक्री व्यवस्था, मूल्य सूची, शराब की गुणवत्ता और पैकारों के माध्यम से हो रही कथित आपूर्ति की जांच करने में असमर्थ हैं।

कलार समाज ने श्रद्धा और उत्साह से मनाई भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलार समाज के आराध्य एवं भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती सोमवार 16 नवंबर को नगर में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आमगांव मार्ग स्थित कलार समाज मंगल भवन में समाज के पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में जयंती समारोह आयोजित किया गया। दोपहर 2 बजे आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात माल्यार्पण एवं तिलक-वंदन कर आराध्य देव का स्मरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने भगवान



सहस्त्रबाहु अर्जुन के आदर्शों का स्मरण करते हुए समाज की एकता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया। अंत में प्रसादी का वितरण किया गया। जयंती समारोह को सफल बनाने में कलार समाज के ओंकारलाल आसटकर, अरुणेन्द्र दुरुगकर, संतोष मोरपड़े, दिनेश रणदिवे, रमेश आसटकर, डॉ. किशोर सोनवाने, दिनेश रामटेकर, नंदू रामटेकर, इंदल सोनवाने सहित समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं का सराहनीय योगदान रहा।

गालियां देकर मारपीट करने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास

पुरानी रंजिश के चलते लकड़ी से किया था हमला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज कर मारपीट करने वाले आरोपी को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं ५०० रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला श्रीमती आँकता जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वारासिवनी के द्वारा सुनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रामपायली में दर्ज अपराध क्रमांक १२०/२०२३ के आरोपी चण्डी उर्फ राजेश पिता मुन्नालाल नगपुरे उम्र ३५ वर्ष निवासी ग्राम भेंडारा थाना रामपायली को भारतीय दंड संहिता की धारा ३२५ के तहत दोषी पाया गया। न्यायालय ने आरोपी को एक वर्ष के सश्रम कारावास तथा ५०० रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। साथ ही अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में १० दिवस का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतने का आदेश दिया। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी प्रणव राजनेगी ने बताया की घटना ८ मई २०२३ की है जब आहत अपने भांजे के विवाह समारोह में शामिल होने गया था। अगले दिन ९ मई २०२३ की शाम लगभग ७.३० बजे वह गुटखा पान लेने ग्राम भेंडारा चौक गया था। वहां से वह अपने गांव बिटोड़ी पैदल लौट रहा था। इसी दौरान जब वह भेंडारा स्थित शासकीय स्कूल के पास पहुंचा तभी आरोपी चण्डी उर्फ राजेश वहां आया और पुरानी रंजिश को लेकर आहत को गंदी गंदी गालियां देने लगा। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए आहत को उठाकर जमीन पर पटक दिया तथा लकड़ी से उसके बाएं पैर पर हमला किया। इसके अलावा बाएं हाथ और कमर पर भी मुक्कों से मारपीट की। इस घटना में आहत के बाएं पैर बाएं हाथ तथा कमर में चोटें आईं। मारपीट के बाद आरोपी ने जाते समय धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गया दोबारा मिलेगा तो जान से खत्म कर दूंगा। घटना के संबंध में थाना रामपायली पुलिस द्वारा आवश्यक विवेचना पूर्ण कर आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तथ्यों पर विचार करने के बाद आरोपी को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा सुनाई गई। इस प्रकरण में सहायक निदेशक कपिल कुमार डेहरिया के कुशल मार्गदर्शन में अभियोजन को ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी प्रणव राजनेगी द्वारा की गई।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

विधानसभा चुनाव से पहले बदलेगा प्रदेश का प्रशासनिक भूगोल!

मप्र में प्रशासनिक सीमाओं की नए सिरे से खींची जाएगी लकीर, दिसंबर में संभाग स्तर पर जनप्रतिनिधियों से चर्चा करेगा आयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक व्यवस्था का नया खाका तैयार होने जा रहा है। सरकार प्रदेश के जिलों, संभागों और तहसीलों की सीमाओं की नए सिरे से समीक्षा करा रही है। मकसद है कि प्रशासनिक इकाइयों का आकार, आबादी और भौगोलिक स्थिति ऐसी हो कि लोगों को सरकारी कामकाज के लिए जिला मुख्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस कवायद में नए जिलों के गठन से लेकर मौजूदा जिलों की सीमाओं में बदलाव और नए संभाग बनाने तक के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। इसके लिए गठित राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। आयोग प्रदेश के 50 जिलों का दौरा कर चुका है, जबकि शेष पांच जिलों में इसी महीने बैठकें प्रस्तावित हैं। इसके बाद दिसंबर में संभाग स्तर पर जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी। इन बैठकों में स्थानीय जरूरतों, प्रशासनिक सुविधाओं और सीमाओं में बदलाव को लेकर सुझाव लिए जाएंगे। जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद आयोग अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपेगा।

प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में नए जिलों के गठन के बाद प्रशासनिक ढांचे में कई बदलाव हुए हैं। इसके बावजूद अनेक क्षेत्रों में जिला मुख्यालय से दूरी, भौगोलिक विस्तार और आबादी के लिहाज से प्रशासनिक इकाइयों को लेकर असंतोष बना हुआ है। कई कस्बों और तहसीलों के लोगों को राजस्व, पुलिस और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसी आधार पर सरकार अब पूरे प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करा रही है। आयोग की सिफारिशें लागू होती हैं तो प्रदेश का प्रशासनिक नक्शा बदल सकता है। इसका असर केवल जिलों की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तहसीलों और संभागों के अधिकार क्षेत्र में भी बदलाव हो सकता है।

जनगणना के कारण अभी नहीं बदल सकती सीमाएं

पुनर्गठन की कवायद के सामने फिलहाल एक कानूनी और प्रशासनिक बाधा भी है। जनगणना कार्य के चलते 31 दिसंबर 2025 से प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज हैं। इस अवधि में जिलों, संभागों और तहसीलों की सीमाओं में बदलाव नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकार फिलहाल पुनर्गठन की तैयारी, सुझाव जुटाने और प्रस्तावों के परीक्षण पर काम कर रही है। जनगणना के आंकड़े सामने आने के बाद ही आयोग अपनी रिपोर्ट की अंतिम रूप देगा। यानी अभी चल रही प्रक्रिया का उद्देश्य भविष्य में होने वाले बदलावों के लिए आधार तैयार करना है। आयोग की रिपोर्ट और उसके बाद सरकार के फैसले से ही यह स्पष्ट होगा कि कौन से प्रस्ताव मंजूर किए जाते हैं।

बीना से पिपरिया तक नए जिले की मांग

पुनर्गठन की इस कवायद में नए जिलों की मांग भी महत्वपूर्ण है। प्रदेश के कई कस्बों में लंबे समय से जिला बनाने की मांग उठती रही है। इनमें कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं, जहां राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर यह मुद्दा लगातार चर्चा में रहा है। सागर जिले से अलग कर बीना को नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। स्थानीय विधायक निर्मला सप्रे भी इस मांग को उठा रही हैं। औद्योगिक गतिविधियों और क्षेत्रीय विस्तार के आधार पर बीना को अलग जिला बनाने का तर्क दिया जाता रहा है। उज्जैन जिले के नागदा को जिला बनाने की मांग भी पुरानी है। स्थानीय स्तर पर इसे अलग प्रशासनिक इकाई बनाने की जरूरत बताई जाती रही है। गुना जिले के चाचौड़ा को जिला बनाने का प्रस्ताव भी चर्चा में है। इस क्षेत्र के लोगों की मांग है कि जिला मुख्यालय दूर होने के कारण प्रशासनिक सुविधाओं के लिए अलग जिला बनाया जाए। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया को जिला बनाने की मांग भी पुनर्गठन के प्रस्तावों में शामिल है। इनके अलावा भी प्रदेश के कई इलाकों में जिला बनाने या मौजूदा जिलों की सीमाएं बदलने की मांगें समय-समय पर उठती रही हैं। आयोग इन प्रस्तावों का परीक्षण कर अपनी अनुशंसा देगा।

चार जिलों को मिलाकर नया संभाग बनाने का प्रस्ताव

जिलों के साथ संभागीय ढांचे में बदलाव की मांग भी सामने आई है। खरगोन, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर को मिलाकर नया संभाग बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इसके पीछे इन जिलों की भौगोलिक स्थिति और प्रशासनिक सुविधा का तर्क दिया जा रहा है। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो निमाड़ क्षेत्र के प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव हो सकता है। फिलहाल इन जिलों से जुड़े प्रस्तावों सहित अन्य सुझाव राजस्व विभाग की ओर से आयोग को उपलब्ध कराए गए हैं।

दिसंबर में जनप्रतिनिधियों की राय होगी अहम

आयोग अब जिला स्तर की बैठकों के बाद संभागीय स्तर पर चर्चा करेगा। दिसंबर में होने वाली बैठकों में विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से स्थानीय परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली जाएगी। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि किस क्षेत्र को किस प्रशासनिक इकाई से जोड़ना अधिक व्यावहारिक होगा। हालांकि जनप्रतिनिधियों की मांग ही अंतिम आधार नहीं होगी। आयोग को आबादी, दूरी, क्षेत्रफल और प्रशासनिक संसाधनों जैसे पहलुओं का भी परीक्षण करना होगा। इसके बाद ही नए जिलों, संभागों और तहसीलों को लेकर सिफारिशें तैयार होंगी।

एमपी के 16 जिलों में अब तक 1.33 लाख किसानों को बड़ी राहत

भोपाल। मध्यप्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन लेने में अब शुरुआती तौर पर बड़ी रकम खर्च नहीं करनी पड़ेगी। किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत प्रदेश के 16 जिलों में किसानों को महज पांच रुपए के प्रारंभिक शुल्क पर स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की इस योजना का अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसान लाभ उठा चुके हैं। खास बात यह है कि कनेक्शन की शेष राशि एकमुश्त जमा करने की बाध्यता नहीं है। किसान इसे अपने मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में चुका सकते हैं। योजना का लाभ भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में दिया जा रहा है। इसमें भोपाल रीजन के आठ जिलों के 1 लाख 1 हजार 942 किसान और ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 31 हजार 207 किसान शामिल हैं। इस तरह योजना के तहत अब तक कुल 1.33 लाख से अधिक कृषि पंप कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

इस योजना का लाभ उन किसानों को मिलेगा, जिनके खेत बिजली की उपलब्ध लाइन के नजदीक हैं। ऐसे किसान मात्र पांच रुपए का प्रारंभिक शुल्क जमा कर नए स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। कनेक्शन के लिए निर्धारित शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से उन किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो खेतों में सिंचाई के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन लेना चाहते हैं, लेकिन एकमुश्त राशि जमा करने में आर्थिक परेशानी महसूस करते हैं। खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए शुरुआती आर्थिक बोझ कम करने की दृष्टि से यह योजना महत्वपूर्ण है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को योजना का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में संपर्क करने की सलाह दी है। इसके अलावा कंपनी के कॉल सेंटर नंबर 1912 पर फोन कर भी योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और कनेक्शन से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विनोद / 16 नवम्बर 26

विदिशा में नाबालिग बालिका से जुड़े गंभीर मामले में आरोपी गिरफ्तार, एसआईटी गठित

भोपाल। विदिशा जिले में 16 वर्षीय नाबालिग बालिका से संबंधित गंभीर प्रकरण में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच और साक्ष्यों के संकलन के लिए एसडीओपी बासौदा श्रीमती शिखा भलावी के नेतृत्व में 15 नवंबर को विशेष जांच दल (स्क्वड) गठित किया गया है। खरुआटीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए हैं।

पुलिस को 15 नवंबर को बालिका के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। बालिका की सुरक्षा, देखभाल और मनोवैज्ञानिक सहयोग को प्राथमिकता देते हुए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (डब्लूसी) की टीम तथा एसडीओपी शिखा भलावी ने उसकी काउंसलिंग की।

प्रकरण में थाना कोतवाली विदिशा में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। बालिका के बयान न्यायालय के समक्ष दर्ज कराने की कार्रवाई भी की गई। स्क्वड ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के संकलन की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने पीड़िता की पहचान एवं निजता सुरक्षित रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है।

सभी विभागों से आउटसोर्स कर्मचारियों की होगी छुट्टी, सरकार करेगी नियमित भर्ती

भोपाल। ईएमएस मध्य प्रदेश सरकार सरकारी विभागों में कार्यरत आउटसोर्सी कर्मचारियों की व्यवस्था समाप्त कर नियमित भर्ती की दिशा में कदम उठाने जा रही है। सरकार की मंशा है, विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को आउटसोर्स कर्मचारियों के बजाय नियमित भर्ती के माध्यम से भरा जाए। इससे सरकारी सेवाओं में स्थायित्व और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने की योजना बनाई जा रही है। चतुर्थ श्रेणी के संविदा कर्मचारियों को इस व्यवस्था से बाहर रखा जाएगा। उन्हें नहीं हटाया जाएगा, यह पूर्व की तरह काम करते रहेंगे।

इस फैसले से प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में काम कर रहे



हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। दूसरी ओर नियमित भर्ती की उम्मीद कर रहे बेरोजगार युवाओं को इससे स्थाई नौकरी के नए अवसर मिलने की उम्मीद जाग गई है।

सरकार की इस पहल का वास्तविक स्वरूप भर्ती नीति, रिक्त पदों की संख्या और कर्मचारियों के समायोजन संबंधी अंतिम निर्णय के बाद ही स्पष्ट होगा। वित्त विभाग के जो दिशा निर्देश जारी हुए हैं उसके अनुसार 31 मार्च 2027 तक सभी विभागों को कार्यवाई करने के लिए निर्देश दिया गया है. यह निर्देश योजना और सांख्यिकी संचालनालय द्वारा जारी किया गया है.

इस निर्देश के अनुसार बिजली कंपनियां नगरी निकाय संस्थाओं पंचायत कलेक्ट्रेट स्वास्थ्य विभाग शिक्षा लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग में सबसे ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं उनके भविष्य पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लग गया है. यह कई वर्षों से विभागों में सेवाएं दे रहे हैं।

पांच दिन के सत्र में 25 मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी

- कांग्रेस के सामने कम समय में ज्यादा सवाल उठाने की चुनौती, अवैध शराब से ओबीसी आरक्षण तक विपक्ष की नजर, स्थगन प्रस्तावों के जरिए सरकार को घेरेगी कांग्रेस

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस बार छोटा जरूर है, लेकिन सियासी टकराव के लिहाज से काफी गर्म रहने के आसार हैं। कांग्रेस ने पांच दिन की कार्यवाही के लिए सरकार को घेरने की व्यापक रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। अवैध शराब के कारोबार और ओबीसी आरक्षण जैसे मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी है, जबकि 25 से अधिक विषयों को सदन में उठाने की योजना बनाई जा रही है। विपक्ष की कोशिश है कि सीमित समय में ऐसे सवाल खड़े किए जाएं, जिन पर सरकार को जवाब देना पड़े।

स्थगन प्रस्ताव से सीधे सरकार को घेरने की रणनीति

कांग्रेस इस बार केवल सवाल-जवाब तक अपनी रणनीति सीमित नहीं रखना चाहती। अवैध शराब के कारोबार और ओबीसी आरक्षण जैसे मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव लाकर सरकार को सीधे कठघरे में खड़ा करने की तैयारी है। इन प्रस्तावों के जरिए विपक्ष महत्वपूर्ण विषयों पर सामान्य कार्यवाही रोककर चर्चा कराने की मांग करेगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इन मुद्दों पर प्रस्ताव तैयार करने के लिए उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे सहित पांच विधायकों की टीम बनाई है। यह टीम स्थगन प्रस्तावों के साथ सदन में चर्चा के लिए अन्य प्रस्तावों का प्रारूप भी तैयार करेगी।

बालाघाट में बच्चों की मौत से कर्मचारी आंदोलन तक उठेंगे सवाल

कांग्रेस की रणनीति में केवल राजनीतिक मुद्दे ही नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े विषय भी शामिल हैं। बालाघाट में बीमारी से बच्चों की मृत्यु का मामला, कर्मचारियों की लंबित मांगें और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के आंदोलन को भी सदन में उठाने की तैयारी है। कांग्रेस का आरोप है कि कर्मचारी वर्ग की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं और पिछले छह महीने से अलग-अलग संगठन आंदोलन कर रहे हैं। विपक्ष इन मांगों को सरकार की प्रशासनिक और राजनीतिक जवाबदेही से जोड़कर उठाना चाहता है।

पांच दिन बनाम 25 मुद्दे, सत्र बढ़ाने पर जोर

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती विधानसभा सत्र की अवधि है। पार्टी का मानना है कि प्रदेश में 25 से अधिक महत्वपूर्ण विषय हैं, जिन पर सदन में विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। ऐसे में पांच दिन का सत्र पर्याप्त नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग करने की बात कही है। विधायक दल की बैठक में तय होगा कि कौन-सा मुद्दा स्थगन प्रस्ताव के जरिए उठाया जाए और किस विषय पर प्रश्न या अन्य संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से सरकार से जवाब मांगा जाए। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस की रणनीति से सरकार के सामने भी सदन के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की चुनौती रहेगी।

आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का फैसला रोके सरकार -जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने के प्रस्तावित फैसले पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से करीब दाई लाख परिवारों के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो सकता है। कांग्रेस नियमित पदों पर नियमित भर्ती का समर्थन करती है, लेकिन वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की रोजी-रोटी छीनकर भर्ती का रास्ता बनाना उचित नहीं है।

पटवारी ने मांग की कि 31 मार्च 2027 तक आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई रोकी जाए। सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों का विभागवार, पटवार और सेवावधि के आधार पर सर्वेक्षण कराया जाए। साथ ही नियमित भर्ती में लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को अनुभव के आधार पर प्राथमिकता, आयु सीमा में छूट और उचित अवसर देने की नीति बनाई जाए। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति होने तक मौजूदा कर्मचारियों का रोजगार और वेतन सुरक्षित रखा जाए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा, पंचायत, नगरीय निकाय और अन्य विभागों में आउटसोर्स कर्मचारी लंबे समय से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। कोरोना जैसी आपदा में भी उन्होंने सरकारी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में योगदान दिया। ऐसे में उनके अनुभव और सेवाओं की अनदेखी अन्यायपूर्ण है। पटवारी ने सरकार से प्रभावित कर्मचारियों की संख्या, भर्ती की समय-सीमा और रोजगार सुरक्षा की योजना सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि फैसला वापस नहीं लेने पर कांग्रेस कर्मचारियों की लड़ाई को अपना संघर्ष बनाएगी।

बाल विवाह रोकने प्रदेशभर में चलेगा विशेष अभियान, 27 नवंबर को सभी ग्राम पंचायतों में होंगी ग्राम सभाएं

21 दिसंबर तक गांव-गांव पहुंचेगा जागरूकता का संदेश, बाल विवाह की सूचना पर होगी तत्काल कानूनी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए 21 दिसंबर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत गांवों से लेकर शहरों तक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर समाज के हर वर्ग को बाल विवाह रोकने के लिए जागरूक किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि बाल विवाह मुक्त मध्यप्रदेश के संकल्प को जनआंदोलन बनाने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 21 अक्टूबर से 21 दिसंबर 2026 तक संचालित इस अभियान में बाल विवाह की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विवाह के शुभ मुहूर्तों और सामूहिक विवाह आयोजनों के दौरान बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के तहत 27 नवंबर को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित होंगी। इनमें जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से बाल विवाह नहीं करने और न होने देने की सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और बच्चों के अधिकारों की जानकारी दी जाएगी।

स्कूलों और महाविद्यालयों में जागरूकता रैलियां, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं गांवों और शहरों में नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद, जागरूकता रथ, दीवार लेखन और प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों को अभियान से जोड़ा जाएगा। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी विशेष गतिविधियां होंगी। बाल विवाह की सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस और बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों सहित संबंधित एजेंसियां समन्वय से तत्काल कार्रवाई करेंगी।

एफआईआर रद्द कराने की याचिका खारिज, गिरफ्तारी की लटकी तलवार

- पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। एफआईआर और पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका खारिज हो गई है। हाईकोर्ट ने पिछले दिनों सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से नेहा पच्चीसिया फरार है। कटनी की पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया को हाईकोर्ट से झटका लगा है। एफआईआर और पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका खारिज हो गई है। नेहा अपने खिलाफ दर्ज अबूझ को निरस्त कराने हाईकोर्ट पहुँची थी। पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अदालत से राहत मांगी थी। हाईकोर्ट ने बीते दिनों सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। फिलहाल याचिका खारिज होने के बाद एफआईआर और पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग को राहत नहीं मिली है। गौरतलब है कि नेहा पच्चीसिया पर क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी, धोखाधड़ी और पद के दुरुपयोग को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। नेहा पच्चीसिया समेत चार लोगों पर कटनी जिले के कुठला थाने में केस दर्ज किया गया था। हत्या के आरोपी को बरी करने के एवज में 1 करोड़ की जमीन 18 लाख रुपए में अपने नाम करवाने का आरोप है। हत्या के आरोपी से सौदा कर उसकी करोड़ों की जमीन अपने परिचितों के नाम करवा ली थी। ट्रांसपोर्टर से भी 20 हजार की रिश्वत मांगी थी। नेहा पच्चीसिया पर और भी कई मामले दर्ज है। नेहा का आफिस सील कर उसे डीआईजी आफिस में अटैच किया गया था। एफआईआर के बाद से नेहा फरार चल रही है। कटनी जिला अदालत में भी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ केस चल रहा है।

पलटवार- राम के दर्शन करने निकले हैं या अजमेर शरीफ के ?

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा पर बिना नाम लिए की गई टिप्पणी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। उनके बयान पर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर सनातन धर्म और संत समाज का निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

दरअसल, दिग्विजय सिंह ने हाल ही में एक कथावाचक पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि बच्चों को पढ़ाई करने की जरूरत नहीं है, बस भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाओ और परीक्षा में पास हो जाओ। उन्होंने कथित तौर पर कथावाचक के बेटे का उदाहरण देते हुए उसके आठवीं कक्षा में फेल होने की बात कही थी। हालांकि दिग्विजय सिंह ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी को पंडित प्रदीप मिश्रा और उनके पुत्र राघव के संदर्भ में देखा जा रहा है। इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी ने दिग्विजय सिंह की नीयत पर सवाल उठाए। केसवानी ने कहा कि यह समझ से परे है कि दिग्विजय सिंह अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन करने निकले हैं या अजमेर शरीफ की यात्रा पर, क्योंकि उनकी पूरी यात्रा में सनातन पर कटाक्ष और साधु-संतों की आलोचना ही प्रमुखता से दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह अपनी यात्रा में सनातन धर्म को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।केसवानी ने पंडित प्रदीप मिश्रा के पुत्र राघव को लेकर किए गए दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राघव आठवीं कक्षा में उत्तीर्ण हुआ था, लेकिन दिग्विजय सिंह उसे फेल बताकर किस तरह की राजनीति कर रहे हैं ? भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि धार्मिक आस्था और संतों के सम्मान के विषय में टिप्पणी करने से पहले दिग्विजय सिंह को तथ्यों की जानकारी जुटानी चाहिए। डॉ. केसवानी ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह साधु-संतों की आलोचना करके और सनातन धर्म को लेकर भ्रामक बातें फैलाकर राजनीतिक सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक विषयों पर राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय उन्हें पहले तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए और फेक न्यूज फैलाना बंद करना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने सनातन धर्म की दृढ़ता पर जोर देते हुए कहा कि सनातन पर सवाल उठाने और साधु-संतों को कटघरे में खड़ा करने से किसी को धार्मिक आस्था समाप्त नहीं होने वाली।

अब वार्ड स्तर से लोकसभा तक तलाशे जाएंगे सक्रिय और जिताऊ चेहरे

पिछले चुनाव में महिला आरक्षण के चलते उम्मीदवारों की कमी से लिया सबक, आज पीसीसी में बनेगी रणनीति

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस ने अगले चुनावों की तैयारी में अब महिला नेतृत्व को केंद्र में रखने की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी की नजर सिर्फ आगामी नगरीय निकाय चुनावों पर नहीं, बल्कि 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनावों पर भी है। इसके लिए वार्ड स्तर से लेकर संसदीय क्षेत्र तक ऐसे महिला चेहरों की तलाश की जा रही है, जिन्हें भविष्य में चुनावी मैदान में उतारा जा सके। यानी कांग्रेस अब चुनाव के वक्त उम्मीदवार खोजने के बजाय पहले से ही अपनी महिला प्रत्याशियों की टीम तैयार करना चाहती है। इस रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए 17 नवंबर को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें प्रदेशभर की सक्रिय महिला नेताओं को बुलाया गया है। बैठक में संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपने के साथ ही संभावित महिला प्रत्याशियों की पहचान और उन्हें चुनाव के लिए तैयार करने पर चर्चा होगी।

कांग्रेस की इस कवायद के पीछे पिछले नगरीय निकाय चुनावों का अनुभव भी अहम वजह माना जा रहा है। महिला आरक्षण के चलते कई वार्डों और सीटों पर पार्टी को ऐसे उम्मीदवार तलाशने में परेशानी हुई थी, जिनकी स्थानीय स्तर पर पहचान हो और जिनके जीतने की संभावना भी मजबूत हो। कई जगह आखिरी समय में उम्मीदवारों की तलाश करनी पड़ी। अब पार्टी इस स्थिति को दोहराना नहीं चाहती। इसीलिए महिला नेताओं की एक तरह से चुनावी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने की योजना है। पार्टी चाहती है कि हर जिले, विधानसभा क्षेत्र और या राजनीतिक गतिविधियों में महिला चेहरे मौजूद हों, जिन्हें जरूरत के मुताबिक चुनावी जिम्मेदारी दी जा सके। इससे आरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों की कमी दूर करने के साथ सामान्य सीटों पर भी महिला प्रत्याशियों को मौका देने का रास्ता खुलेगा।

सिर्फ पदाधिकारी नहीं, चुनाव लड़ने वाले चेहरे चाहिए

कांग्रेस की तलाश केवल संगठन में पद संभालने वाली महिलाओं तक सीमित नहीं है। पार्टी ऐसे चेहरों को प्राथमिकता देना चाहती है जो लगातार राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हों, जनता के बीच उनकी पहुंच हो और स्थानीय मुद्दों पर उनकी पकड़ मजबूत हो। सामाजिक कार्यों में सक्रिय महिलाओं और वरिष्ठ नेताओं के परिवार की उन महिला सदस्यों को भी आगे लाने की योजना है, जो पहले से सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी कर रही हैं। इसका उद्देश्य महिला नेताओं को केवल संगठनात्मक पदों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें चुनावी राजनीति में भी प्रभावी भूमिका देना है। बैठक में इन संभावित चेहरों को जिम्मेदारियां देने और उनके राजनीतिक आधार को मजबूत करने को दिशा में चर्चा हो सकती है।

तीन चुनावों के लिए एक साथ तैयारी

कांग्रेस की रणनीति चरणबद्ध तरीके से महिला नेतृत्व तैयार करने की है। पहले नगरीय निकाय चुनावों में वार्ड स्तर पर महिला प्रत्याशियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद 2028 के विधानसभा चुनाव में मजबूत महिला दावेदारों को और विश्वसनीय चेहरों को जिम्मेदारी दी जाएगी। इस पूरी कवायद में सबसे बड़ी चुनौती संभावित उम्मीदवारों को केवल सूची में शामिल करना नहीं, बल्कि उन्हें चुनाव लड़ने लायक राजनीतिक आधार देना होगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर सक्रियता, संगठन के कार्यक्रमों में भागीदारी और जनता के बीच निरंतर संपर्क को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आधी आबादी को साधने के साथ संगठन विस्तार की कोशिश

कांग्रेस की इस पहल को महिला वोट बैंक और संगठन विस्तार, दोनों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के सामने भाजपा की महिला केंद्रित योजनाओं और राजनीतिक सक्रियता के मुकाबले अपना मजबूत महिला नेतृत्व खड़ा करने की चुनौती भी है। ऐसे में महिला प्रत्याशियों की तलाश केवल टिकट वितरण की तैयारी नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। 17 नवंबर की बैठक में यह स्पष्ट हो सकता है कि प्रदेश कांग्रेस महिला नेतृत्व को कितनी प्राथमिकता देती है और इस दिशा में जिलों से लेकर ब्लॉक स्तर तक क्या जिम्मेदारियां तय की जाती हैं।

तौहीद और लिटन दास ने करायी बांग्लादेश की शानदार वापसी

जोहान्सबर्ग। युवा बल्लेबाज तौहीद हृदोय और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की शानदार पारी से बांग्लादेश ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत से उबरकर दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी अपनी पहली पारी में 6 विकेट पर 327 रन बना लिए थे। तौहीद 137 रन बनाकर आउट हुए जबकि लिटन दास 92 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं पारी की शुरुआत में बांग्लादेश ने केवल 22 रनों पर 3 विकेट खो दिए थे, लेकिन हृदोय और दास ने छठे विकेट के लिए 206 रन की बड़ी साझेदारी करके टीम को संभाला।

वहीं मेजबान टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने 51 रन देकर 5 विकेट लेकर बांग्लादेश को शुरुआत में ही दबाव में ला दिया पर लिटन और तौहीद की पारी से टीम संभल गयी। से टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की खराब बल्लेबाज ओपनर महफिजुल इस्लाम पहली ही गेंद पर रबाडा का शिकार हुए। इसके तुरंत बाद मोमिनुल हक भी खाता खोले बिना रबाडा का दूसरा शिकार बने, जिससे 10 ओवरों के अंदर ही बांग्लादेश ने 22 रनों पर तीन विकेट खो दिये थे।

शुरुआती झटकों के बाद तंजिद हसन ने 67 रन और तौहीद के साथ 69 रनों की साझेदारी की। जिससे लंच तक बांग्लादेश ने 3 विकेट पर 91 रन बना लिए थे। लंच के बाद रबाडा ने अपने दूसरे स्पेल में तंजिद की बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। इसके तुरंत बाद मुशफिकुर रहीम भी पहली गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। इससे टीम दबाव में आ गयी। इससे बादद तौहीद और लिटन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को करारा जवाब दिया। हृदोय ने 99 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया जबकि लिटन ने 71 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये। इस जोड़ी ने छठे विकेट के लिए 206 रन की विशाल साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। तौहीद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक पूरा किया। वह 137 रन बनाकर आउट हुए।



इस विकेट के साथ ही कगिसो रबाडा ने अपने 184वें फाइव-विकेट हॉल के साथ मखाया एंटिनी के रिकॉर्ड की बराबरी की और दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए।

गंभीर बोले, गेंदबाज जिताते हैं सीरीज

हैमिल्टन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने को बाद गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजों ने कम स्कोर का भी बचाव करते हुए पांचवें एकदिवसीय में टीम को जीत दिलायी है उससे उनके महत्व का अंदाजा होता है। भारतीय गेंदबाजों ने पांचवें और अंतिम एकदिवसी में 210 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए मेजबान टीम को 187 रनों पर ही आउट कर भारतीय टीम को 22 रनों से जीत दिला दी थी। इससे टीम ने 3-1 से सीरीज जीती। इस जीत के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर गेंदबाजों की अहमियत को रेखांकित करते हुए लिखा, गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं।

वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस जीत को बड़ी उपलब्धि बताया, खासकर न्यूजीलैंड के लगातार बदलते मौसम और चुनौतीपूर्ण खेल हालातों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि टीम ने टी-20 और एकदिवसीय दोनों सीरीज जीतकर अपनी क्षमता दिखायी है। अय्यर ने माना है कि अंतिम मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, फिर भी टीम को अपने पर विश्वास था कि वह किसी भी समय मैच का रुख पलट सकती है। उन्होंने पूरी सीरीज के दौरान गेंदबाजों की भूमिका की सराहना की। श्रेयस ने कहा, पूरी सीरीज देखें तो यह बल्लेबाजों की सीरीज नहीं थी। गेंदबाजों ने हर अवसर मौके पर जिम्मेदारी संभाली और अलग-अलग हालातों में टीम को जीत दिलाने का भरोसा दिखाया। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के रवैये और उनके चरित्र को टीम की सफलता के लिए आवश्यक बताया।

वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिच दो गति वाली थी, कुछ गेंदें तेजी से आ रही थीं जबकि कुछ धीमी थीं। सैंटनर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने सही क्षेत्ररक्षण लगाकर बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और पिच के उछाल का भी लाभ उठाया।

मैच के हीरो रहे अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

इंग्लैंड ने नेशंस लीग में स्पेन को 3-2 से हराकर उसका 44 मैचों से जीत का सिलसिला रोका

मैड्रिड। कप्तान हैरी केन के अलावा एजरी कॉंसा और बेन व्हाइट के गोलों से यहां खेले गये नेशंस लीग फुटबॉल मुकाबले में इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही स्पेन का 44 मैचों का विजय अभियान थम गया। स्पेन को अंतिम बार मार्च 2023 में किसी प्रतिस्पर्धी मैच में हार झेलनी पड़ी थीथा। वहीं अगर मैजी मुकाबलों की बात करें तो टीम लगातार 43 मैचों से नहीं हारी थी।

ग्रुप ए3 के इस मुकाबले में इंग्लैंड की ओर केन, कॉसा और व्हाइट ने एक-एक गोल किये जबकि स्पेन की ओर से मिकाएल ओयारजाबल और निको विलियम्स ने गोल दागे। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ ही इंग्लैंड ग्रुप में जीर्ष पर पहुंच गये है और मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए उसे सीडेड टीम के रूप में ड्रॉ में स्थान मिलेगा। दोनों टीमों ने पहले ही अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

इस मैच में इंग्लैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी ने पेनल्टी एरिया में हैरी केन को गिरा दिया, जिसके कारण इंग्लैंड को पेनल्टी मिली। केन ने बिना कोई गलती किए इस गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी।

वहीं दूसरे हाफ में स्पेन के कोच द्वारा किए गए तीन बदलावों के बाद भी इंग्लैंड ने केवल चार मिनट के अंदर दो और गोल कर अपनी बढ़त बढ़ा ली। 53वें मिनट में, डेक्लन राइस के शानदार कॉर्नर पर कॉसा ने हेडर से गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। वहीं इसके ठीक चार मिनट बाद, हैरी केन और जूड बेलिंगहैम के बनाये मूव से व्हाइट ने तीसरा गोल दागकर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया। तीन गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने भी वापसी के प्रयास किये पर वह विफल रही। इसी बीच इंग्लैंड के मिडफील्डर इलियट एंडरसन को पेनल्टी एरिया में लामिन यामल को गलत तरीके से रोकने के लिए फाउल के कारण लाल कार्ड दिखा दिया गया, जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। ऐसे में इंग्लैंड को शेष मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

जय शाह दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन बने

बाली। जय शाह एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) चेयरमैन चुने गये हैं। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी बोर्ड कमेटी की बैठकों में जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना गया। शाह ने दोबारा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने पर बोर्ड का आभार जताते हुए कहा है कि उनका लक्ष्य दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करने के साथ ही 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में खेल की वापसी रहेगा।

गौरतलब है कि यह लगातार दूसरा अवसर है जब जय शाह को बिना किसी विरोध के इस प्रतिष्ठित पद के लिए चुना गया है। ये आईसीसी बोर्ड के उनके नेतृत्व में गहरे विश्वास को दिखाता है। आईसीसी की ओर से जारी घोषणा में बताया गया कि बोर्ड के सभी निदेशकों ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा और उनके अब तक के कार्यों पर भरोसा जताते हुए उन्हें अगले कार्यकाल के लिए स्वीकृति दी। बोर्ड के सदस्यों ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्रिकेट वर्तमान में वैश्विक स्तर पर अपने विस्तार के एक अहम दौर से गुजर रहा है, और ऐसे समय में शाह का अनुभव और दूरदर्शिता संस्था के भविष्य लिए मूल्यवान साबित होगी।

अपनी दोबारा नियुक्ति पर, शाह ने आईसीसी बोर्ड और सभी सदस्य देशों का हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। आईसीसी के चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है, और मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। वह इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के भी अध्यक्ष रहे हैं।

एकदिवसीय क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करने के ये रिकार्ड दो दशक बाद भी हैं बरकरार

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा कुछ ऐसे अद्भुत मुकाबले भी हुए हैं, जहां टीमों ने असंभव को संभव कर दिखाया है। ये ऐसे ऐतिहासिक मैच हैं जिन्होंने क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित किया है। इस दौरान बने कुछ रिकार्ड आज दो दशक के बाद भी बरकरार हैं। ऐसा ही एक रिकार्ड साल 2006 में यहां के वांडरर्स स्टेडियम में बना। तब ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 434 रनों का विशाल स्कोर बनाया था। उस समय 400 का स्कोर पार करना भी अकल्पनीय माना जाता था, और 435 का लक्ष्य तो असंभव सा था पर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ और हर्शल गिब्स के इरादे कुछ और ही थे। गिब्स ने तूफानी पारी खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। यह पीच आखिरी ओवर तक खिंचा और रोमांच अपनी चरम सीमा पर था, जब दक्षिण अफ्रीका ने 49.5 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 438 रन बनाकर इतिहास रच दिया। 8.78 के रन रेट से हासिल किया गया यह लक्ष्य आज भी एकदिवसीय क्रिकेट का सबसे महान रन चेज और विश्व क्रीर्तिमान माना जाता है, जिसे 20 साल बाद भी कोई टीम तोड़ नहीं पाई है। इस विश्व कीर्तिमान के बाद भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मुकाबले देखने को मिले हैं जिन्होंने दर्शकों को हैरान कर दिया। रावलपिंडी में 22 अक्टूबर 2026 को श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। इंग्लैंड द्वारा दिए गए चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर चौकों-छक्कों की बारिश कर दी और 8.62 के प्रभावशाली रन रेट से बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 430 रन बनाकर यह रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया.लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़े स्कोरों में भारतीय धरती पर खेला गया एक महामुकाबला भी शामिल है। साल 2009 में राजकोट में भारत और श्रीलंका के बीच एक ऐसा मैच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 414 रन बना दिये थे। इसके बाद 415 रनों के असंभव से लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने हार नहीं मानी और पूरी टीम ने 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 411 रन बनाए और वे जीत से मात्र कुछ कदम दूर रह गए।

मीरा एंड्रीवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीतकर सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग हासिल की

इंडियन वेल्स। रूसी टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने रविवार को इतिहास रचते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। 19 वर्षीय एंड्रीवा ने अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल मुकाबले में यूक्रेन की अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। इस शानदार जीत के साथ, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना सभी पांच मैच जीते और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग हासिल की। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 33.7 लाख डॉलर (लगभग 28.4 करोड़ रुपये) की इनामी राशि और एक अल्टावॉयलेट पर्पल मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार से नवाजा गया।

एंड्रीवा की जीत इसलिए भी अहम रही क्योंकि वह बिना कोई सेट गंवाए डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। इस विशिष्ट क्लब में क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज शामिल हैं।

करीब दो घंटे चले फाइनल मुकाबले में एंड्रीवा ने आखिरी छह में से पांच गेम जीतकर अपनी जीत पक्की की। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने चापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी दो गेम में वे सिर्फ दो अंक ही जीत सकीं। मैच के बाद कोर्ट पर दोनों खिलाड़ियों के बीच परंपरा के मुताबिक हाथ नहीं मिलाए गए। यह 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद यूक्रेन टेनिस फेडरेशन द्वारा अपने खिलाड़ियों को रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने की नीति का पालन था।



वहीं उपविजेता रहीं एलिना स्वितोलिना को 15 लाख डॉलर (करीब 12.6 करोड़ रुपये) मिले। 2018 की चैंपियन स्वितोलिना 2019 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं।

इसी इवेंट में, महिला डबल्स का खिताब चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिका की टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने इटली की सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर जीता। उन्हें 6 लाख 75 हजार डॉलर (5.68 करोड़ रुपये) और एक साल की मर्सिडीज-बेंज कार की लीज मिली।

हर्षल पटेल अब गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते दिखेंगे

मुम्बई। युवा तेज गेंदबाज हर्षल पटेल अब सनराइजर्स हैदराबाद की जगह पर गुजरात टाइटंस से खेलते दिखेंगे। हर्षल को 4 करोड़ पर ये करार हुआ। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हुए इस समझौते के तहत गुजरात टाइटंस को और से कोई भी खिलाड़ी हैदराबाद को नहीं दिया जाएगा।

आईपीएल 2027 की रिटेंशन डेडलाइन, जो 17 नवंबर को निर्धारित है, से ठीक पहले इस अहम ट्रेड को अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे में गुजरात टाइटंस अपनी नीलामी राशि से 4 करोड़ का भुगतान करेगी और इसके बदले में सनराइजर्स हैदराबाद को केवल नकद राशि प्राप्त मिलेगी। इस सौदे को दोनों टीमों की आगामी रणनीतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

शुरुआती दौर की बातचीत में खिलाड़ी के बदले खिलाड़ी देने पर भी विचार किया गया था। वहीं गुजरात टाइटंस में शामिल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम बैंटन का नाम हर्षल के बदले में हैदराबाद को दिये जाने के लिए सामने आया पर लेकिन हैदराबाद ने इंकार कर दिया।

हर्षल को सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारी 8 करोड़ खर्च कर अपनी टीम का हिस्सा बनाया था पर टाइटंस के साथ हुई नई डील में उनकी कीमत घटकर आधी, यानी 4 करोड़ रह गई है। यह दिखाता है कि हैदराबाद ने दो साल पहले चुकाई गई रकम के मुकाबले 50 फीसदी कम कीमत पर उन्हें ट्रेड करने का फैसला किया है, जो संभवत: उनके हाल के प्रदर्शन को देखते हुए लिया गया है।

गौतलब है कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए हर्षल का पहला सत्र, यानी आईपीएल 2025, काफी प्रभावशाली रहा था। उन्होंने 13 मुकाबलों में 16 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे, हालांकि इस दौरान उनकी इकॉनमी 9.80 रही थी। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से कई बार टीम के लिए उपयोगी योगदान दिया और अपनी उपयोगिता साबित की थी। लेकिन आईपीएल 2026 में उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह 5 मुकाबले ही खेल पाये।

डब्लयूपीएल 2027 में ब्रेबोर्न की जगह वानखेड़े में खेले जाएंगे मुकाबले

मुम्बई। अगले साल 2027 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबलों में एक बदलाव किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इस टूर्नामेंट में पहले ब्रेबोर्न स्टेडियम में मैच रखे गये थे जिन्हें अब वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की तैयारियों के कारण ये फैसला लिया गया है हालांकि इस बदलाव से टूर्नामेंट के मुंबई चरण के कार्यक्रम या तारीखों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और सभी 11 मुकाबले पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक आयोजित होंगे।

बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि मुंबई में होने वाले लीग मुकाबलों के साथ-साथ एलिमिनेटर और फाइनल भी अब वानखेड़े में ही खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब वानखेड़े स्टेडियम डब्ल्यूपीएल मैचों की मेजबानी करेगा। इस वेन्यू परिवर्तन का मुख्य कारण आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 है, जिसकी मेजबानी ब्रेबोर्न स्टेडियम को 14 से 28 फरवरी तक करनी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी बड़े टूर्नामेंट के शुरू होने से 15 दिन पहले मेजबान स्थलों पर विशेष नियंत्रण की आवश्यकता होती है। यह नियम पिचों की तैयारी करने और आयोजन स्थल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करता है। इसी कारण डब्ल्यूपीएल के मैचों को वानखेड़े में स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया।

बीसीसीआई के फैसले के अनुसार, मुंबई चरण के तहत कुल 11 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें लीग चरण के 12वें से 20वें मुकाबले के साथ-साथ अहम एलिमिनेटर और फाइनल मैच भी शामिल हैं। ये सभी मैच 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित होंगे। बीसीसीआई की डब्ल्यूपीएल समिति ने आईसीसी के अनुरोध के बाद इस महत्वपूर्ण बदलाव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी।

डब्ल्यूपीएल सत्र की शुरुआत 14 जनवरी को वडोदरा में होगी। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। वडोदरा में टूर्नामेंट के शुरुआती 11 मुकाबले 24 जनवरी तक आयोजित होंगे, जिसके बाद लीग मुकाबले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

रजत पाटीदार ने मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक के साथ ही बनाया रिकार्ड

न्यू चंडीगढ़। मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार ने यहां खेले जा रहे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में असम के खिलाफ हुए मैच में केवल 48 गेंदों में नाबाद 135 रनों की तूफानी पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया। अपनी इस पारी में रजत ने 13 छक्के और 8 चौके लगाये। रजत की इस असाधारण पारी से मध्य प्रदेश ने 250 रन बनाये। अपनी इस पारी के साथ ही रजत सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाने वाले मध्य प्रदेश के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले कोई भी मध्य प्रदेश का खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में शतक नहीं लगा पाया। इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद पाटीदार बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। उन्होंने आते ही असम के गेंदबाजों की पिटाई शुरू कर दी। पहले उन्होंने केवल 25 गेंदों में अपना अर्धशतक लगाया और उसके बाद केवल 41 गेंदों में अपना शतक लगा दिया। पाटीदार ने केवल 48 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए। उनकी इस पारी में 13 छक्के और 8 शानदार चौके शामिल रहे।

भारत को मिली दो आईसीसी टूर्नामेंटों की मेजबानी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है की साल 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी और 2031 का एकदिवसीय विश्वकप भारत में खेला जाएगा। इस प्रकार अगले पांच साल में दो बड़े आईसीसी टूर्नामेंट भारत में खेले जाएंगे। विश्व कप के कुछ मैच बांग्लादेश में भी खेले जाएंगे। 2029 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भारत में खेली जाएगी, जबकि 2031 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत और बांग्लादेश संयुक्त मेजबान होंगे। आईसीसी द्वारा जारी इस विस्तृत कैलेंडर में क्रिकेट के वैश्विक विस्तार और कई देशों को बड़े आयोजनों का अवसर देने पर जोर दिया गया है। आईसीसी ने साल 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के लिए क्वालीफाइंग मुकाबलों के मेजबान देशों और उनकी तारीखों की भी घोषणा की है। पुरुषों का क्वालिफायर 5 से 13 फरवरी 2028 तक बांग्लादेश में आयोजित होगा, जबकि महिला क्रिकेट क्वालीफायर टूर्नामेंट 26 फरवरी से 5 मार्च तक अमेरिका में खेला जाएगा। इन अहम मुकाबलों के जरिए ही ओलिंपिक में प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा, आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के आगामी दो फाइनल्स के लिए भी मेजबानों की घोषणा की है। 2029 और 2031 के फाइनल्स की मेजबानी इंग्लैंड को मिली है। वहीं 2029 का फाइनल 8 से 12 जून तक और 2031 का मुकाबला 12 से 16 जून तक खेला जाएगा। इसमें दो टीमें साल में विभिन्न देशों के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलती हैं, जिसके बाद अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचती हैं। 2033 और 2035 के फाइनल्स की तारीखें भी तय कर दी गई हैं और ये दोनों जून में ही खेले जाएंगे। टी-20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, 2030 का टी-20 विश्व कप तीन देशों इंग्लैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट 4 जुलाई से 4 अगस्त तक खेला जाएगा। भविष्य का टी-20 विश्वकप भी कैलेंडर में शामिल है। 2032 का आयोजन 14 अक्टूबर से 14 नवंबर तक और 2034 का टूर्नामेंट 6 जुलाई से 6 अगस्त तक होगा। इसी प्रकार, 2033 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2035 में एकदिवसीय विश्व कप कप भी निर्धारित हैं, हालांकि उनके मेजबान देशों का खुलासा अभी नहीं हुआ है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 41/ कार्यनेनि/2026-27 बालाघाट, दिनांक 13.11.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं क्र.	टेण्डर क्र0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_549185	बालाघाट	बोपली से कटेरा मार्ग लम्बाई 0.00 किलोमी0 निर्माण कार्य विधुतीकरण कार्य सहित ।	प्रथम आमंत्रण	142.73	142730.00	10000.00	03 माह वर्षाकाल सहित
				कुल योग	142.73			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 27/11/2026 (17.30) घंटे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जावेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-21566/26

'सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930'

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

राख से 30 एकड़ धान की फसल बर्बाद

बेवारस झुडपी जंगल में मुरूम का अवैध उत्खनन - चंगेरा के पूर्व सिम्प्लेक्स पेपर मिल परिसर का मामला

पदमेश न्यूज, गोंदिया. एक समय हजारों लोगों को रोजगार देने वाला चंगेरा स्थित सिम्प्लेक्स पेपर मिल उद्योग समय से पहले बंद हो गया. कंपनी प्रशासन ने करीब 80 एकड़ जमीन वन विभाग को सौंप दी, लेकिन इसके बाद यह परिसर लावारिस हो गया. इसी का फायदा उठाकर जमीन के तीन गटों से बड़े पैमाने पर मुरूम का उत्खनन किया गया. उत्खनन से बने गहरे गड्ढों में करीब एक हजार टिप्पर राख डाली गई. बारिश के दौरान यह राख खेतों में बहकर पहुंची, जिससे करीब 30 एकड़ धान की फसल प्रभावित हुई है. गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर चंगेरा के खसरा क्र. 292/2 के गट क्र. 314, 315 और 316 की करीब 80 एकड़ झुडपी जंगल की जमीन 99 वर्ष की लीज पर सिम्प्लेक्स पेपर मिल को दी गई थी. उद्योग बंद होने के बाद नियमानुसार यह जमीन वन विभाग को सौंप दी गई. आरोप है कि इसके बाद वन विभाग ने जमीन की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया. परिसर के पेड़ों की कटाई के साथ बड़े पैमाने



पर मिट्टी और मुरूम का उत्खनन किया गया. राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए यहां से मुरूम निकाला गया, लेकिन सड़क निर्माण पूरा होने के बाद भी उत्खनन जारी रहने का आरोप है. उत्खनन से बने गड्ढों में अंदानी विद्युत प्रकल्प की राख डाली गई. अप्रैल 2026 तक यहां राख डालने का काम जारी था. बारिश में राख बहकर आसपास के खेतों में पहुंच गई, जिससे लगभग 30 एकड़ धान की फसल को नुकसान हुआ. किसानों का आरोप है कि वन विभाग, खनिकर्म विभाग और अदानी विद्युत प्रकल्प की लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है.

जिम्मेदारी किसकी?

किसानों के अनुसार, जमीन की सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग की, गौण खनिज के उत्खनन पर रोक लगाने की जिम्मेदारी खनिकर्म विभाग की और राख के सुरक्षित निपटारे की जिम्मेदारी अदानी विद्युत प्रकल्प की थी. इसके बावजूद किसी भी विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया.

किसानों ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण पूरा होने के बाद भी मुरूम उत्खनन और गड्ढों में राख डालने का काम जारी रहने से आसपास के अन्य खेतों को भी नुकसान होने की आशंका है. किसानों ने सवाल उठाया है कि इस पूरे मामले को आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है? प्रभावित किसानों ने संबंधित विभागों से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और फसल नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है.

रटेगांव में दिन-रात की मंडई आज

पदमेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव में १७ नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। जिसमें मोर रंग जोगनी आशीष बालाघाटी द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ शानदार प्रस्तुती दी जावेगी। चर्चा में मंडई-मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी १७ नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रातिकालीन मनोरंजन के लिए रात ९ बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें मोर रंग जोगनी आशीष बालाघाटी के कलाकारों के द्वारा प्रस्तुती दी जावेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई-मेला समिति रटेगांव के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

दुकान से 50 हजार रु. नकद उड़ाया

पदमेश न्यूज, गोंदिया. तिरोड़ा थाने के तहत खोपड़ा निवासी फिर्यादी अंकुश संतोष बावनकर (26) की सराेडी में हार्डवेयर की दुकान है. जिसके शटर का लॉक तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने अंदर प्रवेश किया व ड्रावर में रखे 50 हजार रु. नकद चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार तिरपुडे कर रहे हैं.

मोटरसाइकिल की टक्कर से महिला घायल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. गोरेगांव थाने के तहत ग्रामगांव निवासी 45 वर्षीय महिला रोड़ के बाजू में गोबर खाद चुन रही थी. इसी दौरान मोटरसाइकिल चालक ने अपनी मोटरसाइकिल लापरवाहीपूर्वक चलाकर उसे टक्कर मार दी. जिसमें वह घायल हो गई. फिर्यादी मुलचंद चुन्नीलाल बावनकर (51) की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार विजय कोसमे कर रहे हैं.

हॉर्वेस्टर लगाकर धान चोरी

पदमेश न्यूज, गोंदिया. आमगांव थाने के तहत मानेगांव निवासी फिर्यादी अशोककुमार हेमराज पटले (41) का खेत ग्राम जवरी में है, जहां उसने जय श्रीराम धान लगाया था. इसी बीच जवरी निवासी आरोपी शंकर डोये (60), पाऊलदीना निवासी उधराम वाडई (60) व एक 65 वर्षीय अन्य व्यक्ति ने उनके खेत में हॉर्वेस्टर लगाकर धान चुरा लिए, जिसकी कीमत 60 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार पंधरे कर रहे हैं.

बेटी शुभ्या टेंभरे ने विश्व थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी की होनहार बेटी ९ वर्षीय शुभ्या टेंभरे ने गोवा के मापुसा स्थित पेडूम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित तृतीय विश्व थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर नगर एवं जिले का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता का संयुक्त आयोजन वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग फेडरेशन, एशिया थाई बॉक्सिंग फेडरेशन एवं थाई बॉक्सिंग इंडिया फेडरेशन के द्वारा किया गया। इसमें भारत, थाईलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, भूटान, नेपाल और कजाकिस्तान के खिलाड़ियों ने भाग लिया। शुभ्या विकास एवं श्रीमती अमिता टेंभरे की सुपुत्री है जो वारासिवनी निवासी अधिवक्ता आई. डी. टेंभरे एवं श्रीमती निशा टेंभरे की पौत्री तथा गोंदिया निवासी सेवानिवृत्त वनमंडलाधिकारी गोविंद येड़े एवं श्रीमती सरिता येड़े की नातिन हैं। वे वर्तमान में दिल्ली पब्लिक स्कूल मिज़ान नागपुर में कक्षा चौथी की छात्रा हैं। शुभ्या ने इसी वर्ष राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में रजत पदक भी हासिल किए हैं। प्रशिक्षक युगांत उगले के मार्गदर्शन में उन्होंने यह अंतरराष्ट्रीय सफलता प्राप्त की है। खेल और पढ़ाई के साथ शुभ्या को खाली समय में परिवार के साथ समय बिताना खेलीं पर घूमना और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेना पसंद है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर परिवारजनों, समाजजनों एवं वारासिवनी और गोंदिया के शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभ्या को बधाई दी तथा आगामी प्रतियोगिताओं और उनके उज्ज्वल खेल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।



पिस्टल व दो जिंदा कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

पदमेश न्यूज, गोंदिया. शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गोंदिया शहर पुलिस ने एक व्यक्ति को पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम श्रीनगर निवासी नागसेन बोधीमंतो (44) बताया गया है. पुलिस ने उसके कब्जे से एक पिस्टल, मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं.

जानकारी के अनुसार, शहर पुलिस की टीम थाना परिसर में गश्त कर रही थी. इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि लक्ष्मीनगर परिसर में एक व्यक्ति पिस्टल लेकर घूम रहा है. सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम पंचों के साथ मौके पर पहुंची. वहां सुशील कलबे की दुकान के सामने एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया. पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की. उसने अपना नाम नागसेन बोधीमंतो बताया. पंचों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसकी कमर के पीछे शर्ट के अंदर एक पिस्टल, मैगजीन सहित दो जिंदा कारतूस मिले. इसके बाद पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला व शहर पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकूटे के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस निरीक्षक तिरुपती राणे, सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम, महिला उपनिरीक्षक प्रियंका बैस, सहायक फौजदार कवलपालसिंग भाटिया सहित डीबी पथक के पुलिस कर्मचारियों ने की.



अब रविवार को भी खुला रहेगा प्रधान डाकघर बालाघाट का आधार सेवा केंद्र

पदमेश न्यूज। बालाघाट। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब प्रधान डाकघर बालाघाट में रविवार को भी आधार सेवा केंद्र संचालित किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक रविवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक नागरिकों को आधार कार्ड से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डाक विभाग की इस पहल से उन नागरिकों को विशेष सुविधा मिलेगी, जो नौकरी अथवा अन्य व्यस्तताओं के कारण सामान्य कार्यदिवसों में आधार संबंधी कार्य नहीं करा पाते हैं। अब उन्हें रविवार के दिन भी आधार सेवा केंद्र पहुंचकर अपने आधार कार्ड से संबंधित आवश्यक अपडेट कराने का अवसर मिलेगा। डाक विभाग के अनुसार प्रधान डाकघर बालाघाट में संचालित आधार केंद्र पर नागरिकों के आधार कार्ड से संबंधित अपडेट का कार्य किया जाएगा। इस सुविधा के शुरू होने से आम नागरिकों को आधार संबंधी कार्यों के लिए अतिरिक्त समय और सुविधा मिल सकेगी। डाक विभाग ने अधिक से अधिक नागरिकों से प्रधान डाकघर बालाघाट के आधार सेवा केंद्र पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

न्यायालयीन कर्मचारी करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. उच्च न्यायालय के कर्मचारियों की तर्ज पर राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन में सुधार करने तथा समान काम-समान वेतन की मांग को लेकर महाराष्ट्र के 34 हजार न्यायालयीन कर्मचारियों ने 17 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है. शासन के समक्ष नियमानुसार सभी प्रयास करने के बावजूद मांगें पर कोई ठोस निर्णय नहीं होने से महाराष्ट्र राज्य न्यायालयीन कर्मचारी महासंघ ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है. महासंघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक वेतन सुधार संबंधी शासनादेश जारी नहीं होता, तब तक हड़ताल वापस नहीं ली जाएगी.

न्यायालयीन कर्मचारियों का कहना है कि उच्च न्यायालय और राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारी एक ही न्याय व्यवस्था के दो समान अंग हैं, वर्ष 2023 तक दोनों स्तरों के कर्मचारियों का वेतन समान था. लेकिन वर्ष 2023 में उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनश्रेणी लागू करने का शासन निर्णय जारी किया गया. इसी आधार पर अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों को भी संशोधित वेतनश्रेणी का लाभ मिलना अपेक्षित था. इसके बावजूद उन्हें अब तक इस लाभ से वंचित रखा गया है. कर्मचारियों के अनुसार, लगातार बढ़ती महंगाई के बीच उन्हें मिलने वाला वेतन अपर्याप्त साबित हो रहा है, वहीं, अन्य शासकीय विभागों के समकक्ष कर्मचारियों के वेतन और वेतनश्रेणी में समय-समय पर सुधार किया गया, लेकिन न्यायालयीन कर्मचारियों की मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है. इस मामले में उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्तियों की एक समिति गठित कर अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनश्रेणी लागू करने संबंधी प्रस्ताव जनवरी 2025 में ही शासन को भेज दिया था. इसके बावजूद अब तक इस पर निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है. कर्मचारियों का सवाल है कि दूसरों को न्याय दिलाने वाली न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के बावजूद उन्हें अपने ही वेतन संबंधी न्याय के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है. अब राज्य के 34 हजार न्यायालयीन कर्मचारियों की इस अनिश्चितकालीन हड़ताल से न्यायालयीन कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है. कर्मचारियों की मांगों पर राज्य सरकार क्या निर्णय लेती है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं.

पहले शासनादेश, उसके बाद ही हड़ताल वापसी

गोंदिया जिले की न्यायालयीन कर्मचारी संघटना गट-क, गोंदिया जिला लघुलेखक संघटना, जिला न्यायालयीन बेलीफ कर्मचारी संघटना तथा जिला न्यायालयीन कर्मचारी संघटना गट-ड ने संयुक्त रूप से आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है. संगठनों ने घोषणे शासनादेश, फिर हड़ताल वापसी% का स्पष्ट रुख अपनाया है. जिले के सभी न्यायालयीन कर्मचारी इस अनिश्चितकालीन हड़ताल में सक्रिय रूप से शामिल होंगे.

विभिन्न संगठनों का आंदोलन को समर्थन

इस आंदोलन को महाराष्ट्र राज्य न्यायिक अधिकारी संघ, महाराष्ट्र व गोवा बार एसोसिएशन, जिला और तहसील स्तर के वकील संघों सहित राज्य के अधिकांश सर्वदलीय विधायकों और सांसदों का समर्थन मिलने का दावा किया गया है. महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर निकम 17 नवंबर से नासिक में आमरण अनशन पर बैठेंगे, वहीं, राज्य के सेवानिवृत्त न्यायालयीन कर्मचारी अपने-अपने जिलों में जिलाधिकारी कार्यालयों के सामने क्रमिक अनशन करेंगे.

भैरोगंज मंडई में हुआ देवी जागरण

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के प्रमुख स्थल भैरोगंज वार्ड क्रमांक १,२,३ के संयुक्त सहयोग से दिन और रात की मंडई का आयोजन किया गया था। प्रतिवर्षानुसार भराई जाने वाली मंडई में आम जनता के स्वस्थ मनोरंजन हेतु भैरोगंज मंडई समिति के द्वारा परासिया छिंदवाड़ा का श्री सिद्धेश्वरी देवी जागरण ग्रुप का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के संचालक कुलदीप सोलंकी एवं गायिका पूजा पटेल, रूपेश कहार, रिंकी मर्सकोले, पूजा वर्मा ने देर रात तक देवी गीतों से जनता को बांध कर रखा। देवी जागरण के आयोजन का शुभारंभ करने वार्ड निवासी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख भी पहुंचे। आगंतुक अतिथियों का श्रीफल एवं फूलमाला द्वारा स्वागत उपरांत कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर भैरोगंज मण्डी उत्सव समिति के पदाधिकारी तिनिक पौनिकर, महेश कोल्हे, राम सिंह राहांगडाले, विवेक एड़े, चंकी हेडाऊ,वीरू ठाकुर,संतोष शिव,अब्दुल साजिद,आनंद मेश्राम आदि सांघीगण उपस्थित रहे।



कैट के समृद्धि कलश अभियान से जुड़ा बालाघाट, व्यापारियों ने एकजुट होकर की पूजा-अर्चना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा मध्यप्रदेश के 55 जिलों में समृद्धि कलश यात्रा एवं स्थापना का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले में भी व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में सहभागिता निभाई इस अवसर पर कैट के जिला अध्यक्ष भवानी शंकर टेकड़ीवाल ने स्टील के बड़े लोटे में समृद्धि कलश सजाकर उसकी विधिवत स्थापना की गई इस अवसर पर पांच-पांच व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों के सामने से एक-एक मुट्ठी सामग्री कलश में अर्पित की। इसके पश्चात पूजा-अर्चना कर कलश की स्थापना की गई। कार्यक्रम में कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने अभियान की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रदेश के सभी 55 जिलों में समृद्धि कलश यात्रा एवं स्थापना का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के व्यापारियों को एक सूत्र में जोड़ना और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से समृद्ध व्यापारियों से समृद्ध मध्यप्रदेश के सपने को साकार करना है कार्यक्रम में कैट जिला प्रभारी सत्यनारायण अग्रवाल, जिला महामंत्री गणेश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, जिला सहसंचिव कपिल जैन एवं दीपक जैन, जिला प्रचार सचिव मनोज क्षीरसागर, जिला कार्यकारिणी सदस्य वसंत चौबे, अक्षत टेकड़ीवाल सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रदेशव्यापी इस विशेष अभियान का समापन 18 नवंबर को भोपाल में करेंगे। बताया गया कि अभियान के माध्यम से व्यापारिक समुदाय में एकजुटता, सहयोग और समृद्धि की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।



बसपा ने धूमधाम से मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, निकाली मोटरसाइकिल रैली

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा जिला मुख्यालय में जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने अंबेडकर चौक पर एकत्रित होकर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जिला अध्यक्ष इंजीनियर महेंद्र ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की इसके पश्चात नगर में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए.यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए बिरसा मुंडा चौक पहुंची, जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया.कार्यक्रम जिला अध्यक्ष इंजीनियर महेंद्र के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। वहीं पूर्व जिला प्रभारी दीपक मेश्राम, जिला उपाध्यक्ष एवं वारासिवनी विधानसभा प्रभारी रंजीत जुगनाके तथा विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.इस अवसर पर लांजी विधानसभा प्रभारी जे.डी. चौरे, वारासिवनी विधानसभा प्रभारी सुजीत उके, वारासिवनी विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेश्राम, बालाघाट से पुनाराम हुमनेकर, परसवाड़ा से महेंद्र वासनिक, लांजी से हेमंत रामटेके एवं नगर अध्यक्ष एडवोकेट पदमा सूर्यवंशी सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।



प्रगतिशील कलार समाज के द्वारा श्री सहस्त्रबाहु की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। प्रगतिशील कलार समाज के कलार भवन में आयोजित भगवान श्री सहस्त्रबाहु की जयंती समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक एवं समस्त समाजजन उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु के चरणों में नमन करते हुए सभी को जयंती की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सुनील पिपरेवार, सुनील जायसवाल, एल एन कावडे, के एल सोनेकर,धनराज धुवारे,संजय साकरे,उम्मेद पालेवार,अशोक राय,ल क ष्म ण रामपुरे,शिवशंकर मंडलेकर,प्रदीप कोसरकर, प्रेमनाथ सोनगडे,नरेन्द्र डोहरवार, मानसी डहाके,भावना कोसरकर, मीनाक्षी राय, मनीषा पिपरेवार, गीता धनगडे, सरिता गुसा, विजेवता सोनेकर,डी एल मंडले, मोनिका सोनेकर, महेन्द्र कावडे,विजय डहाके,राकेश चौरागडे,नरेन्द्र डोहरे,एस एन डोहरे,नीलेश बामनोरे, धनेन्द्र सोनेकर उपस्थित रहे।



वर्षा तुरकर हत्याकांड - लूट की आशंका पर भी उठ रहे सवाल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. पुणे एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस में कार्यरत वर्षा तुरकर (35) की हत्या के मामले में दवनीवाड़ा पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है. शनिवार, 14 नवंबर की शाम करीब 5.30 बजे गोंदिया जिले के दवनीवाड़ा थाना अंतर्गत बोंडगांनी (अर्जुनी) के जंगल क्षेत्र में धारदार चाकू से वार कर उनकी हत्या कर दी गई थी. इस सनसनीखेज वारदात से परिसर में हड़कंप मच गया है. पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका वर्षा तुरकर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के किन्ही-नवेगांव की निवासी थीं. वह पुणे एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस में कार्यरत थीं. वर्ष 2019 में उसका प्रेम विवाह हुआ था और उसकी तीन वर्षीय बेटी भी है. दीपावली की छुट्टियों में वह अपने मायके आई थीं. तीन-चार दिन मायके में रहने के बाद रविवार को उसे वापस पुणे लौटना था. उसके मित्र नितेश अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि दोनों कार से उतरकर बातचीत कर रहे थे. इसी दौरान तीन अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और लूटपाट के इरादे से हमला कर दिया. हमले में वर्षा गंभीर रूप से घायल हो गई. इसके बाद उसे कार से अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. इस हत्याकांड में लूटपाट



डॉग स्क्वॉड व फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

दवनीवाड़ा थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत भूते, उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची. डॉग स्क्वॉड, फॉरेंसिक टीम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए. पुलिस की आशंका को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. वारदात के बावजूद मृतका के गले में पहनी सोने की चेन सुरक्षित मिली है. यदि हमलावरों का उद्देश्य केवल लूटपाट करना था, तो उन्होंने सोने की चेन क्यों नहीं छीनी? यही वजह है कि पुलिस हत्या के पीछे लूट के अलावा अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है. हालांकि, वारदात का वास्तविक कारण पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा.

पुलिस हत्याकांड की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है.

वर्षा तुरकर हत्या मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है. घटनास्थल का निरीक्षण कर डॉग स्क्वॉड, फॉरेंसिक टीम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की मदद से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए हैं. वर्षा के मित्र को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था. पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया. आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय हैं. जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है. फिलहाल जांच जारी है.

प्रशांत भूते, सहायक पुलिस निरीक्षक, दवनीवाड़ा

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती मनाई

पदमेश न्यूज, गोंदिया. क्रांतिसूर्य महामानव भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती शहर में उत्साह के साथ मनाई गई. इस अवसर पर आदिवासी समाज की ओर से भव्य रैली का आयोजन किया गया. सुबह से ही ध्वजारोहण सहित विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत हुई. वहीं, रात में पारंपरिक गोंडी नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.

अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता भोजराम मसराम ने की. उद्घाटन सेवानिवृत्त आर्मी मेजर तुलाराम येरणे के हस्ते किया गया. इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में नामदेवजी चर्चे, सुधाकर राऊत, रमेश प्रधान, संजय प्रधान, शरद नागपुरे, रंभाबाई प्रधान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे. सांस्कृतिक कार्यक्रम में गोंडी नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थितों का मन मोह लिया. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को आकर्षक पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया. संचालन चंदुमाया गणवीर ने किया व आभार चेंटी सरयाम ने माना. सफलतार्थ आशीष प्रधान, राहुल प्रधान, ज्ञानेश्वर चर्चे, दयाराम प्रधान, विजय येडे, सुनील प्रधान, अंकुश प्रधान ने प्रयास किया.



बालाघाट
मंगलवार 17 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी अपने जीजा के घर पकड़ा गिरफ्तार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार सिवनी जिले के युवक को उसके जीजा के घर ग्राम ढीपुर मे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवक शिवम पिता संतोष भलावी 19 वर्ष ग्राम सरंडी सरेखा थाना उगली जिला सिवनी निवासी है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। यह आरोपी परसवाड़ा थाने में अपराध दर्ज होने के बाद फरार हो गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नाबालिग कक्षा 11वीं तक पढ़ी है। उसके परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। बताया गया कि पिछले वर्ष यह लड़की अपनी मौसी की शादी में उनके गांव गई थी। वहीं पर शिवम भलावी भी आया था। तभी से दोनों की जान-पहचान हुई थी। दोनों ने मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान किया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती रहती थी। आरोप है कि मई 2026 में रात करीब 11 बजे शिवम इस लड़की से मिलने आया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद 8 अगस्त 2026 को शिवम उसे शादी का झांसा देकर नागपुर ले गया। नागपुर में करीब 3 माह तक किराए के कमरे में रखकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। 8 नवंबर 2026 को शिवम इस लड़की को उसकी पूजा के घर ग्राम पुजारीटोला लाकर छोड़ गया। बताया गया कि शिवम ने शादी करने का आश्वासन दिया था। इस कारण लड़की पहले रिपोर्ट लिखवाने नहीं आई। किंतु शादी करने से मुकर जाने पर इस लड़की ने घटना के संबंध में अपने परिजनों को बताया और परसवाड़ा पुलिस थाना रिपोर्ट करने पहुंची। परसवाड़ा पुलिस ने नाबालिग की रिपोर्ट पर आरोपी शिवम भलावी के विरुद्ध धारा 64(2)(एम) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध दर्ज किया है। अपराध दर्ज होने की भनक लगते ही शिवम भलावी फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही थी इस दौरान 15 नवंबर को सूचना मिली कि शिवम भलावी परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम ढीपुर में अपने जीजा के घर छिपा हुआ है। इस सूचना पर परसवाड़ा पुलिस की एक टीम ने ग्राम ढीपुर में घेराबंदी कर शिवम भलावी को उसके जीजा के घर से गिरफ्तार किया और थाने लाकर पूछताछ और कार्रवाई करने के बाद उसे बैहर की न्यायालय में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

भटेरा ओवरब्रिज मुआवजे में भेदभाव का आरोप, प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

वार्ड 10 और 11 के भू-स्वामियों ने समान दर से मुआवजा देने की मांग उठाई मौके पर नाप-जोख और मूल्यांकन किए बिना राशि तय करने का आरोप, मांगें पूरी नहीं हुईं तो भूख हड़ताल की चेतावनी



पदमेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज को लेकर प्रभावित भू-स्वामियों की नाराजगी अब आंदोलन में बदल गई है। भू-अर्जन के तहत वितरित मुआवजा राशि में कथित विसंगतियों और वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 के निवासियों के साथ अलग-अलग दरों पर मुआवजा तय किए जाने के विरोध में लगभग एक दर्जन स्थानीय निवासियों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के लिए उनकी भूमि और भवनों को प्रभावित क्षेत्र में शामिल किया गया है, लेकिन मुआवजा निर्धारित करने की प्रक्रिया में न तो मौके पर पहुंचकर विधिवत नाप-जोख की गई और न ही प्रभावित परिवारों की आपत्तियों को गंभीरता से सुना गया। लंबे समय से जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रखने के बाद भी समाधान नहीं मिलने पर उन्हें धरने का रास्ता अपनाना पड़ा है।

धरना स्थल पर मौजूद राशिद खान और पूर्व पार्षद कवड्डूलाल ने बताया कि भू-अर्जन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से ही प्रभावित परिवार लगातार प्रशासन से संपर्क कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग है कि सड़क के दोनों ओर स्थित वार्ड क्रमांक 10 और 11 के भू-स्वामियों को समान परिस्थितियों में समान दर से मुआवजा दिया जाए। उनका आरोप है कि एक ही सड़क के दोनों ओर स्थित दोनों वार्डों के प्रभावितों के लिए मुआवजा निर्धारण में बड़ा अंतर रखा गया है। वार्ड क्रमांक 10 के कुछ प्रभावितों को वार्ड क्रमांक 11 के प्रभावितों की तुलना में लगभग दोगुनी दर से मुआवजा दिया गया है, जबकि वार्ड क्रमांक 11 के करीब 25 प्रभावितों को आधी दर से राशि निर्धारित किए जाने की बात सामने आई है। प्रभावितों का कहना है कि जब दोनों ओर की भूमि और निर्माण ओवरब्रिज परियोजना से प्रभावित हो रहे हैं, तो मुआवजा तय करने में इतना अंतर किस आधार पर किया गया, इसका स्पष्ट जवाब भी उन्हें नहीं मिला है। प्रदर्शनकारियों ने भू-अर्जन अधिकारी और संबंधित विभागीय अमले की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने प्रभावितों की भूमि, मकान और अन्य निर्माणों का मौके पर निरीक्षण किए बिना ही कार्यालय में बैठकर मुआवजा राशि तय कर दी। नियमानुसार मौके पर पहुंचकर भूमि और निर्माण का मापन, मूल्यांकन तथा पंचनामा तैयार किया जाना चाहिए था, लेकिन प्रभावितों के अनुसार इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। कई बार आवेदन देने के बावजूद उनकी आपत्तियों पर कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि शुरुआत से ही प्रत्येक प्रभावित की भूमि और निर्माण का सही आकलन किया जाता तो आज मुआवजे को लेकर इस तरह का विवाद खड़ा नहीं होता। राशिद खान ने बताया कि मुआवजा निर्धारण में कथित असमानता से केवल धरने पर बैठे कुछ परिवार ही प्रभावित नहीं हैं, बल्कि करीब डेढ़ सौ लोग मुआवजा राशि से संतुष्ट नहीं हैं। प्रभावितों को दिए गए पत्रों में भी मुआवजे का पूरा विवरण स्पष्ट रूप से नहीं दिया गया है। उनका कहना है कि भूमि का मुआवजा, भवन एवं अन्य निर्माण की राशि और अतिरिक्त सांत्वना राशि का अलग-अलग उल्लेख होना चाहिए, ताकि प्रत्येक भू-स्वामी यह समझ सके कि उसे किस मद में कितनी राशि निर्धारित की गई है। लेकिन उन्हें जो पत्र दिए गए, उनमें मुआवजे का स्पष्ट और विस्तृत ब्यौरा नहीं होने से भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रभावितों का दावा है कि मुआवजे के अतिरिक्त सांत्वना राशि भी उन्हें प्रदान नहीं की गई है। प्रभावित भू-स्वामियों ने बताया कि इस मामले को लेकर वे पहले ही न्यायालय की शरण ले चुके हैं। न्यायालय में याचिका प्रस्तुत किए जाने के बाद संबंधित भू-अर्जन अधिकारी को प्रभावितों के लंबित आवेदनों का 90 दिनों के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद अब तक उनके आवेदनों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई और न ही उन्हें किसी प्रकार की सूचना दी गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि न्यायालय के आदेश के बाद भी यदि उनकी शिकायतों का निराकरण नहीं किया जा रहा है तो उनके सामने आंदोलन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। कवड्डूलाल ने कहा कि प्रभावित परिवार लंबे समय से अपनी मांगों को शांतिपूर्वक प्रशासन के सामने रख रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अनिश्चितकालीन धरना देने के बाद भी प्रशासन ने उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो वार्डवासियों के साथ भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि वार्ड क्रमांक 10 और 11 के सभी प्रभावित भू-स्वामियों के मुआवजे का निष्पक्ष पुनर्मूल्यांकन कराया जाए, प्रत्येक भूमि और निर्माण की मौके पर जाकर विधिवत नाप-जोख की जाए, पंचनामा तैयार किया जाए और मुआवजे की प्रत्येक मद का स्पष्ट विवरण दिया जाए।

मंडई से लौट रहे तीन दोस्तों की मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई दो की मौत-एक घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के कटंगी रोड पर ग्राम कोचेवाही स्थित डामर प्लांट के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि उनका तीसरा साथी घायल हो गया। तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल से ग्राम सरंडी की मंडई देखकर अपने गांव शेरपार लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क के मोड़ पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसा 15 एवं 16 नवंबर की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हुआ। जब तीनों युवक को जिला अस्पताल लाया गया तब दो युवक की मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक युवक निकुंज पिता ओमप्रकाश बघेले 18 वर्ष और राजू पिता टेकचंद नागोसे 18 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। जबकि अनिल पिता शंकर भगत 18 वर्ष को मामूली चोटें आई।



मंडई का कार्यक्रम देखकर लौट रहे थे तीनों दोस्त

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों युवकों के परिवार खेती-किसानी से जुड़े हैं। निकुंज बघेले और अनिल भगत मजदूरी करते थे जबकि राजू नागोसे बालाघाट में आईटीआई की पढ़ाई कर रहा था। तीनों आपस में अच्छे दोस्त थे। 15 नवंबर की रात तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल से ग्राम सरंडी में मंडई गए थे। मंडई मेआयोजित कार्यक्रम देखने के बाद वे देर रात अपने गांव शेरपार लौट रहे थे। इसी दौरान कोचेवाही डामर प्लांट के पास सड़क की गोलाई में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। इस सड़क हादसे में निकुंज बघेल और राज नागोसे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं अनिल भगत भी घायल हो गया जिसे मामूली चोटे आई थी। हादसे की सूचना मिलते ही युवको के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे परिजन तीनों को प्राइवेट वाहन से बालाघाट के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। निकुंज और राजू की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें निजी अस्पताल से जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। परिजन जब दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं घायल अनिल को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों मृतक युवकों के शव अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की तथा पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। घायल अनिल भगत के दाहिने हाथ में मामूली चोट आई थी, जिसे उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई जिला अस्पताल पुलिस ने इस मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है। आवश्यक कार्रवाई के बाद प्रकरण घटनास्थल से संबंधित वारासिवनी थाना पुलिस को आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है।

पटाखे की बारूद जलाते समय 7 वर्षीय बालक का चेहरा झुलसा-जिला अस्पताल में भर्ती



पदमेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा में पटाखे की बारूद जलाते समय एक सात वर्षीय बालक का चेहरा झुलस गया। घटना में घायल बालक अनुराग पिता पन्नालाल टेकाम को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जहां शिशु वार्ड में उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुराग कक्षा पहली का छात्र है। उसके माता-पिता मजदूरी करते हैं और परिवार में उसकी एक बड़ी बहन भी है। 15 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर वैनगंगा नदी के किनारे पूजा का आयोजन किया गया था। इस दौरान वहां आतिशबाजी भी की गई थी। अनुराग भी अपने साथियों के साथ नदी किनारे पहुंचा था। वहां उसे कुछ ऐसे पटाखे मिले, जो फूट नहीं पाए थे। बालक उन पटाखों को चुनकर अपने घर ले आया था। 16 नवंबर की सुबह अनुराग के पिता पन्नालाल टेकाम मजदूरी करने चले गए थे जबकि उसकी मां घर के घरेलू कामकाज में व्यस्त थी। इसी दौरान अनुराग ने घर लाए पटाखों से बारूद निकालकर कागज पर रखा और उसे जलाने लगा। तभी अचानक बारूद में आग भड़क उठी जिसकी चपेट में आने से बालक का चेहरा झुलस गया।बालक की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां तत्काल मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी अपने पति पन्नालाल को दी। सूचना मिलते ही पन्नालाल घर पहुंचे और मोटरसाइकिल से पत्नी के साथ अपने बेटे को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। यहां अनुराग को भर्ती कर शिशु वार्ड में उपचार किया जा रहा है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पदमेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट